www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 156 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
27 अगस्त 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:43
सूर्यास्त: 06:33
अधिकतम: 30°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार
मिठास का कड़वा गणित ... >> पेज 04
7 लाख फॉलोअर्स वाली ... >> पेज 06
कृति सेनन का राखी वाला ...

बाढ़ में हेलिपैड बहा, रेस्क्यू हेलिकॉप्टर को लौटना पड़ा

रसुवा के टिमुरे में फंसे लोगों को निकालने के लिए भेजा गया हेलिकॉप्टर बिना उतरे काठमांडू लौट आया। बाढ़ के पानी में स्थानीय हेलिपैड बह गया था, इसलिए पायलट को उतरने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिली।

पायलट ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि ऊपर से देखने पर टिमुरे गांव का बड़ा हिस्सा नजर ही नहीं आ रहा था। उन्होंने कहा कि त्रिशूली नदी का पानी अचानक बहुत तेजी से बढ़ा, जैसे अचानक किसी बंद नदी का पानी बाहर निकल आया हो।

भोटेकोशी में पानी बढ़ने के बाद आगे त्रिशूली नदी में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन में नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और खतरा बढ़ने पर सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी गई है।

तिब्बत से आई बाढ़ ने तबाही मचाई, पावर प्लांट-पुल बहे, कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे थे

नेपाल में जलप्रलय

95 लोगों की मौत

08 जिलों में अलर्ट

तबाही

133 भारतीय लापता

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह अचानक आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचा दी। सुबह 9 बजे तिब्बत की दिशा से भोटेकोशी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आया जिसमें कई इलाके चपेट में आ गए। नेपाल पुलिस के मुताबिक, अब तक 95 लोगों के मौत की खबर है। नेपाल के पर्यटन विभाग के मुताबिक 500 से ज्यादा लोगों का पता नहीं चल रहा है। इनमें 133 भारतीय समेत 300 से ज्यादा विदेशी पर्यटक हैं। शुरुआती वैज्ञानिक आकलन के मुताबिक, ल्हेंदे नदी में बर्फ और पत्थरों का बड़ा हिस्सा गिरा, जिससे नदी का रास्ता रुक गया और पानी जमा होने लगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

पीएम बालेन ने सेना तैनात करने के आदेश दिए

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रसुवा के बाढ़ प्रभावित इलाकों में बचाव और राहत के लिए नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस को तैनात करने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित इलाकों में दूसरे जिलों से भी अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त एंबुलेंस और मेडिकल स्टाफ भी भेजा जा रहा है। बालेन ने नदी किनारे के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित जगह पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

नेपाली अधिकारियों के मुताबिक एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि जिस ग्लेशियल झील के फटने से अचानक बाढ़ आई थी, वहां अभी भी करीब 7 मीटर ऊंचा पानी का बांध बना हुआ है। यह कभी भी टूट सकता है।

भारत में कहां-कितना असर होगा

भारत में इसका असर मुख्य रूप से बिहार की गंडक नदी और उससे जुड़ी छोटी-बड़ी नदियों में दिखने की आशंका है। नेपाल से करीब 3 मीटर ऊंची बाढ़ की लहर आने का अलर्ट है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फर-पुर और वैशाली में खास सतर्कता बरती जा रही है। सीतामढ़ी और शिवहर पर भी नजर है।

नेपाल में 42 किमी की सड़क बही

बाढ़ का असर रसुवा से नुवाकोट, धादिंग होते हुए चितवन तक देखा गया। रसुवा में टिमुरे, स्याफ्रुबेसी, हाकुबेसी, मेलुंग, सल्लेटार, शांतिबाजार, पैरेबेसी, खाल्टी बस्ती और बेत्रावती समेत करीब एक दर्जन बस्तियां प्रभावित हुईं। बाढ़ धादिंग के गल्छी तक पहुंची और आगे मुग्लिन की ओर बढ़ने की चेतावनी दी गई। बेत्रावती से रसुवागढ़ी-तिब्बत सीमा तक करीब 42 किमी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। इसके अलावा स्याफ्रुबेसी से सीमा तक 16 किमी सड़क को भी नुकसान पहुंचा।

चंपत बोले-चुनाव के चलते चढ़ावा चोरी की एफआईआर नहीं कराई

अयोध्या। राम मंदिर के पूर्व महासचिव चंपत राय की डायरी की चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। सूत्रों के मुताबिक, डायरी में उन्होंने लिखा है कि चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के तुरंत बाद FIR इसलिए नहीं कराई, क्योंकि उन्हें आशंका थी कि जांच में मामला लंबा खिंच सकता है। इसका असर आगामी विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है। चंपत राय ने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। कहा- उन्होंने मीडिया चैनल को दिए इंटरव्यू में चढ़ावा चोरी को डकैती करार दिया। इससे समाज में गलत संदेश गया। इसलिए एक संत ने मुझसे बातचीत के दौरान नृपेंद्र मिश्र को खलनायक कहा था। चंपत राय ने डायरी में सवाल उठाए हैं कि नृपेंद्र मिश्रा जैसे अनुभवी व्यक्ति ने चार दिनों में 14 चैनलों से बातचीत क्यों और किसके इशारे पर की।

देश कोई धर्मशाला नहीं यहां रहने का अधिकार सिर्फ नागरिकों को

शाह बोले- घुसपैठिए भारत की सुरक्षा के लिए खतरा

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। यहां रहने का अधिकार केवल नागरिकों को है। घुसपैठिए देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए खतरा हैं। हमारा लक्ष्य देश को इन घुसपैठियों से मुक्त करना है।

शाह ने इंटेलिजेंस ब्यूरो की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज (NSS) कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पिछले आठ महीनों में सभी बॉर्डर स्टेट का दौरा किया है। उन्होंने इन राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा की रणनीति से जुड़ा दस्तावेज भी साझा किया। शाह ने आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने और उसके 360 डिग्री नेटवर्क को तोड़ने के लिए PRAHAR रणनीति को रोज की कार्रवाई में उतारने की बात कही।

अमित शाह ने मंगलवार को इंटेलिजेंस ब्यूरो के कार्यक्रम को संबोधित किया

नक्सलवाद, आतंक और उग्रवाद की चुनौतियां खत्म- सरकार ने आंतरिक सुरक्षा के तीन बड़े केंद्रों- नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर का आतंकवाद और पूर्वोत्तर के उग्रवाद से जुड़ी चुनौतियां खत्म कर दी हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

इनमें 5 महिलाएं, 12 घायल, ट्रक में रखे लोहे के पिलर बस में घुसे

तेलंगाना में बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

सूर्यापेट। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं।

बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी। हादसा सुबह करीब 5:15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे। बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई।

इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे।

>> (शेष पेज 06 पर)

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मुख्य सचिव को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया है।

फास्ट न्यूज

हिमाचल में एडमिशन फॉर्म से कास्ट कॉलम हटेगा

शिमला । हिमाचल प्रदेश में अगले शैक्षणिक सत्र से स्कूल-कॉलेज के एडमिशन फॉर्म में जाति (कास्ट) का कॉलम नहीं होगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति कल्याण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इसके लिए निर्देश दिए।

निगरानी लक्ष्य

भारत ने वाहक-6 मल्टी-ड्रोन मदरशिप सिस्टम तैयार किया

नई दिल्ली। भारत की रक्षा क्षमता मजबूत करने के लिए स्वदेशी 'वाहक-6' मल्टी-ड्रोन मदरशिप प्रणाली विकसित की गई है। निजी कंपनी एंड्योरएयर ने सरकारी रक्षा कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सहयोग से इसे तैयार किया है।

यह ड्रोन निगरानी, लक्ष्य की पहचान और दुश्मन के ठिकानों को तबाह करने में सक्षम है। यह बिना जीपीएस के भी हमला कर सकता है। सर्च, डिटेक्ट से लेकर डिस्ट्रॉय तक यह सेना की मदद करेगा। इस सिस्टम में हवा में एक साथ कई ड्रोन तैनात किए जा सकते हैं।

भागवत अमेरिका में, 29 को मेडिसन स्क्वेयर में कार्यक्रम

नई दिल्ली। RSS चीफ मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके 17 दिन के तीन देशों के दौरे का पहला पड़ाव है। न्यूयॉर्क के जेएफके एयरपोर्ट पर भारतीय महिलाओं ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। भागवत का यह दौरा RSS के शताब्दी वर्ष के ग्लोबल आउटरीच कार्यक्रम के तहत हो रहा है।

लोकसभा सचिवालय ने 20 बागी टीएमसी सांसदों को नोटिस भेजे

सुप्रीम कोर्ट ने भी कल नोटिस जारी किया था

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा सचिवालय ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों को नोटिस भेजे हैं। सांसदों से TMC नेता अभिषेक बनर्जी की अयोग्यता याचिका पर 7 दिन में जवाब मांगा गया है। यह याचिका दल-बदल कानून के तहत दाखिल की गई है। नोटिस 25 अगस्त को जारी किए गए और इनमें बनर्जी की 18 जून की याचिका की कॉपी भी भेजी गई है।

यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार होने के एक दिन बाद हुई है। कोर्ट ने मंगलवार को 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया था, लेकिन लोकसभा स्पीकर के कार्यालय और सदन के महासचिव को नोटिस जारी नहीं किया।

अभिषेक बनर्जी ने पहले 20 सांसदों के खिलाफ अलग-अलग अयोग्यता याचिकाएं दाखिल की थीं। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही जल्द पूरी करने की मांग की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- याचिका में इन 20 सांसदों के नाम
- 20 सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने बाद शुरू हुआ विवाद

सीएम शिवकुमार बोले- हम पार्टी के फैसले के साथ, भाजपा तुष्टीकरण की राजनीति करती है

कर्नाटक में पूरा वंदेमातरम नहीं गाया जाएगा : सीएम शिवकुमार

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु । मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा, 'कर्नाटक के सरकारी कार्यक्रमों में अब वंदे मातरम के सिर्फ शुरुआती दो पैरा ही गाए जाएंगे।'

उन्होंने इंडिया टुडे के कार्यक्रम में बताया कि 15 अगस्त के कार्यक्रम में उनकी जानकारी के बिना पूरा वंदे मातरम गाया गया था। यह भी कहा कि वे अपनी पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखते हैं। पार्टी के फैसले पर कायम रहेंगे। दरअसल, कांग्रेस वर्किंग कमेटी यानी CWC ने 19 अगस्त को ऐलान किया था कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ शुरुआती दो पैरा ही गाएगी। गृह मंत्रालय ने 'ऑर्डर्स रिलेटिंग टू द नेशनल सॉन्ग ऑफ इंडिया' जारी किया। इसमें 'वंदे मातरम' के पूरे 6 छंदों को आधिकारिक संस्करण बताया गया है। आदेश के मुताबिक जब राष्ट्रगीत गाया जाए, तो आधिकारिक यानी पूरा संस्करण गाया जाना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

कर्नाटक सीएम डीके शिवकुमार बेंगलुरु में इंडिया टुडे के प्रोग्राम में शामिल हुए थे।

- यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम गान को लेकर हुए विवाद के बाद आया। भाजपा ने कांग्रेस पर वंदे मातरम के अपमान का आरोप लगाया था।

कांग्रेस ने कहा था- खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं सोनिया

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस ने सफाई दी थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय में पूरा वंदे मातरम गाया गया था और इसे रोकने की कोई कोशिश नहीं हुई।

उनके मुताबिक, सोनिया गांधी का इशारा गीत रोकने के लिए नहीं था। वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कुर्सी मांग रही थीं क्योंकि वे लंबे समय से खड़े थे।

वंदे मातरम को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद 15 अगस्त को शुरू हुआ। बीजेपी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर सोनिया गांधी ने इसे रोकने की कोशिश की। बीजेपी ने इसका वीडियो भी एक्स पर शेयर किया था और दावा किया कि राहुल गांधी भी पूरे गायन के दौरान परेशान दिखे।

दुर्घटना : यूपी में डैम ओवरफ्लो, पुल डूबा, एमपी के 21 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

बिहार में 21 मजदूरों से भरी नाव पलटी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । बिहार के भागलपुर में बुधवार को 21 मजदूरों से भरी नाव पलट गई। सभी मजदूर पानी का कटाव रोकने के लिए रेत की बोरियां गंगा नदी किनारे डाल रहे थे। इसी दौरान अचानक एक हिस्से का वजन ज्यादा होने पर नाव पलटकर गंगा में समा गई। सभी मजदूर नदी में गिर गए । रेस्क्यू टीम ने 20 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। वहीं एक मजदूर अभी लापता है, जिसकी तलाश की जा रही है। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। चंदौली में मूसाखांड और लतीफशाह बांध ओवरफ्लो हो गए हैं, जिसके बाद उनके गेट खोल दिए गए हैं। लखीमपुर में शारदा नदी पर बने तमोलिन पुरवा बांध का एक हिस्सा कट गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

कानपुर में कॉलोनियों में पानी भरा, घर डूबे

यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, गाजियाबाद और झांसी समेत 35 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कानपुर में देर रात साढ़े 12 बजे से दोपहर एक बजे तक तेज बारिश हुई। सड़कें-गलियां तालाब बन गईं। पानी घरों और दुकानों में घुस गया।

झारखंड में बोकारो स्थित तेनुघाट डैम के पांच गेट खोल दिए हैं। सभी पांचों गेटों को 0.6 मीटर की ऊंचाई तक खोला गया है, जिससे अतिरिक्त पानी की निकासी नियंत्रित तरीके से की जा रही है। गेट खुलने के बाद दामोदर नदी के जलस्तर में अचानक बढ़ोतरी की संभावना है। इसे देखते हुए नदी के तटीय और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

यूपी में हरियाणवी सिंगर की पांच गोलियां मारकर हत्या

जिम से निकलते वक्त सिर-पेट पर मारी गोली

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली । यूपी के शामली में बुधवार शाम यूट्यूबर और हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की जिम के बाहर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उन पर 18 राउंड फायरिंग की। सिर, पेट में 5 गोली लगने से वह गिर गए। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वारदात शाम करीब 7 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, 4 हमलावर पहले से घात लगाकर बैठे थे। घटना से गुस्साए लोगों ने हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए सड़क जाम कर दिया है। मां अंकित की लाश गोद में लेकर सड़क पर बैठ गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से हमलावरों की पहचान की कोशिश कर रही है।

अंकित अपने गाने 'भरी कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जान' से काफी चर्चित हुए थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

अंकित बालियान मृतक

- प्रत्यक्षदर्शी बोले- हमलावरों ने स्कॉर्पियो का गेट खोलकर अंकित को मारी गोली

लखनऊ में मौलानाओं को माला पहनाई-गले मिले, वाराणसी में विदेशी भी शामिल हुए

बारावफात जुलूस का हिंदुओं ने किया स्वागत

उत्साह

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में बुधवार सुबह से ईद मिलादुन्नबी (बारावफात) धूमधाम से मनाई जा रही है। लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, मुरादाबाद सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में जुलूस निकाले जा रहे हैं। डीजे पर धार्मिक गीत (नात) बजाए जा रहे हैं। हाथों में तिरंगा और धार्मिक झंडा लेकर लोग इसमें शामिल हैं।

लखनऊ में बारावफात की जुलूस में गंगा-जमुनी तहजीब देखने को मिली। हिंदू समाज की ओर से पंडित कृष्ण चंद्र शुक्ल ने जुलूस में शामिल लोगों का स्वागत किया। उन्होंने मौलाना महमूदुल हसन समेत तमाम

मुस्लिम धर्मगुरुओं को माला पहनाई और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान सभी एक-दूसरे से गले मिले। आचार्य शुक्ला ने बताया कि 20 साल से चली आ रही रवायत का यहां पर हम सब पालन करते आ रहे हैं। मिलजुलकर त्योहार मनाते हैं। वाराणसी में मदहे सहाबा का सबसे बड़ा जुलूस निकाला जा रहा है। करीब 5 किलोमीटर लंबे इस जुलूस में प्रशासन और कमेटी की सहमति के बाद 1,500 की जगह सिर्फ 100 गाड़ियां शामिल की गई हैं। जुलूस में 2 हजार से ज्यादा लोग शामिल हैं। सैकड़ों विदेशी पर्यटक भी इसमें शामिल हुए।

> वाराणसी के रेवड़ी तालाब स्थित मदरसे से मदहे सहाबा का जिले का सबसे बड़ा जुलूस निकाला गया। मदहे सहाबा का सबसे बड़ा जुलूस रेवड़ी तालाब से उठकर मेलूपुर, मदनपुरा, जंगमबाड़ी, गोदौलिया, बांसफाटक, चौक, नीचीबाग, मैदागिन, लोहटिया, कबीरचौरा, पियरी होता हुआ बेनियाबाग पहुंचा।

बुलंदशहर में जुलूस के दौरान कलाबाजों ने लट्ठबाजी और तलवारबाजी का प्रदर्शन किया। कलाकारों ने ब्लेड से बने घूमर को घुमाकर करतब दिखाए। एक कलाकार ने आंख पर लोहे की रॉड टिकाकर रोमांचक प्रदर्शन किया।

कानपुर के जुलूस-ए-मोहम्मदी में बच्चे भी शामिल हुए

कानपुर में जुलूस ए मोहम्मदी में बच्चे भी शामिल हुए। इस दौरान महिला तबस्सुम अपने दो बच्चों को लेकर पहुंची। तबस्सुम दिव्यांग है लेकिन व्हीलचेयर से अपने दो बच्चों को लेकर जुलूस में शामिल हुई। उन्होंने कहा आज हमारे नबी का जन्मदिन है। इसमें शामिल होना जरूरी है।

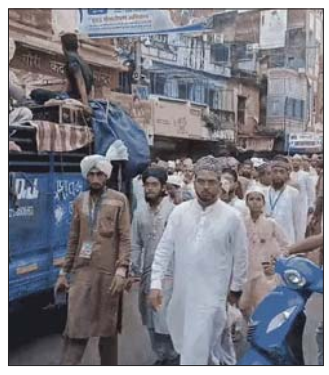

वाराणसी में पैगंबर साहब की यौमे पैदाइश पर निकला रेवड़ी तालाब से जुलूस।

गोंडा में जुलूस में लग्जरी गाड़ियां सजाकर निकले लोग

गोंडा के मनकापुर में बुधवार दोपहर बारावफात का जुलूस निकाला जा रहा है। जुलूस में सजाई गई लग्जरी गाड़ियां भी शामिल हैं। इसी दौरान तिरंगे झंडे से अशोक चक्र गायब होने का वीडियो सामने आया। स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया।

बीएचयू अस्पताल में 6 घंटे कमर तक पानी भरा रहा

दिव्यांग बोले- पानी में गिरने का डर लगता रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में मंगलवार को 24 घंटे में 124 मिमी बारिश हुई। इस रिकॉर्ड बारिश से लोगों की मुश्किलें बढ़ गईं। BHU के सर सुंदरलाल अस्पताल परिसर और गेट पर 3 फीट तक पानी भर गया। 300 से 400 किलोमीटर दूर से इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचे परिवारों के सामने BHU गेट ही सबसे बड़ी बाधा बन गया। कोई मरीज को सहारा देकर पानी पार कर रहा था तो कोई अपनी गाड़ी बंद होने के बाद बेबस खड़ा था।

कई परिवारों ने कमर तक भरे पानी को देखकर अस्पताल के गेट से ही लौट जाना बेहतर समझा। सबसे ज्यादा मार्मिक तस्वीर उन परिजनों की रही, जो गोद में नवजात बच्चों को लेकर पानी के बीच से डॉक्टर तक पहुंचने की कोशिश कर रहे थे। दो महीने के बच्चे से लेकर स्ट्रेचर पर गंभीर मरीजों तक, हर

किसी को इलाज से पहले पानी में घुसकर जाना पड़ा। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे की बात है, BHU के सिंह द्वार पर करीब 3 फीट पानी भरा था। आने-जाने वाले लोगों की गाड़ियां पानी में बंद हो रही थीं। कुछ लोग हिम्मत जुटाकर पानी के बीच से अस्पताल जा रहे थे। वहीं, कुछ मरीज गाड़ी से उतरकर पैदल ही अस्पताल के लिए निकल पड़े। सिंह द्वार पर हमारी मुलाकात शाहबाज खान से हुई। उन्होंने बताया, "मेरी पत्नी अस्पताल में भर्ती हैं। हम घर से अस्पताल जा रहे थे, लेकिन गेट पर इतना पानी भर गया है कि मेरी गाड़ी भी बंद हो गई।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में 8वीं के छात्र ने सुसाइड किया

गोरखपुर । गोरखपुर के लालडिग्गी स्थित स्पर्श राजकीय दृष्टिबाधित बॉयज इंटर कॉलेज के बाथरूम में सुबह गमछे से लटकी 8वीं के छात्र की लाश मिली। जिसकी पहचान देवरिया के रामगुलाम टोला के अनूप कुमार (18) के रूप में हुई। यहां आवासीय व्यवस्था में रहकर वह 8वीं क्लास में पढ़ रहा था। घटना की जानकारी सुबह करीब 10 बजे पुलिस को मिली।

सीएमओ एनपी सिंह बोले- वाराणसी में स्वाइनफ्लू केस नहीं

वाराणसी । दिल्ली में स्वाइनफ्लू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। दिल्ली के स्वस्थ विभाग के आकड़ों में 20 अगस्त दिल्ली में 1700 से अधिक मामले में दर्ज किए जा चुके हैं। इसी क्रम में वाराणसी में स्वाइनफ्लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में है। अभी तक वाराणसी में एक भी केस H1N1 संक्रमण का नहीं मिला है। जिन लोगों को बुखार और खांसी की समस्या है। उन्हें सीएमओ ने एहतियातन जांच करवाने की बात कही है । सीएमओ डॉ एनपी सिंह ने स्वाइन फ्लू को लेकर बताया - हम लोग पूरे तरीके से तैयार हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पास जुआ रैकेट का भंडाफोड़

प्रयागराज। प्रयागराज में मंगलवार रात पुलिस ने शहर में चल रहे एक बड़े जुआ रैकेट का भंडाफोड़ किया। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर हाईकोर्ट के पास फोटोस्टेट की दुकान की आड़ में चल रहे रैकेट पर छापेमारी कर मौके से करीब दो लाख रुपये कैश बरामद किया गया। जुआ खेलते हुए 12 लोगों को पकड़ा गया है। इनमें रैकेट का संचालक भी शामिल बताया जा रहा है।

'अग्निवीर बनवा दूंगा, सेना के अफसरों से सेटिंग है'

बरेली में दावा करने वाला फर्जी हवलदार गिरफ्तार

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली । बरेली में बुधवार को सेना का फर्जी हवलदार गिरफ्तार किया गया। वह सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर 17 लोगों से ठगी कर चुका है। आरोपी युवाओं को भरोसा दिलाता था कि सेना के मेडिकल स्टाफ और अधिकारियों से उसकी अच्छी सेटिंग है। वह अनफिट अभ्यर्थियों को टारगेट करता था। सेना का फर्जी हवलदार बताकर आरोपी री-मेडिकल में युवाओं को फिट कराने की गारंटी देकर उनसे मोटी रकम वसूलता था। मिलिट्री इंटेलिजेंस (MI) बरेली की सूचना पर कैंट पुलिस और एसओजी की टीम ने आरोपी राजेश तिवारी (36) को गिरफ्तार किया। वह मूल रूप से लखनऊ का रहने वाला है।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया- सेना का हवलदार बताने वाले राजेश तिवारी की नजर उन

युवाओं पर रहती थी, जो अग्निवीर भर्ती के मेडिकल में अनफिट हो जाते थे। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में चल रही भर्ती के दौरान री-मेडिकल के लिए बरेली मिलिट्री हॉस्पिटल आने वाले अभ्यर्थियों को उसने टारगेट बनाया। आरोपी 21 अगस्त से बरेली रेलवे स्टेशन और आस पास के इलाके में घूम रहा था। यहां वह री-मेडिकल के लिए आने वाले युवाओं से संपर्क करता था। राजेश ने युवाओं का भरोसा जीतने के लिए फर्जी दस्तावेजों का पूरा इंतजाम कर रखा था। उसके पास 155 इन्फैंट्री बटालियन टीए जैक राइफल्स की फर्जी मुहर भी मिली।

दिन में अंधेरा छाया, कानपुर में वीआईपी सड़क 5 फीट धंसी, घरों में घुसा पानी, यूपी के 25 शहरों में बरसात

राजधानी में जोरदार बारिश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। बुधवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, गाजियाबाद और झांसी समेत 35 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कानपुर में देर रात साढ़े 12 बजे से दोपहर एक बजे तक तेज बारिश हुई। सड़कें-गलियां तालाब बन गईं। पानी घरों और दुकानों में घुस गया। VIP रोड पर 5 फीट गहरा गड्ढा हो गया। अपर श्रमायुक्त कार्यालय जलमग्न हो गया। लखनऊ में शाम 4 बजे से जोरदार बारिश हुई। तेज बारिश के चलते दिन में ही अंधेरा छा गया। कई इलाकों में विजिबिलिटी बेहद कम हो गई। महोबा के जिला अस्पताल में पानी भर गया। इमरजेंसी वार्ड की छत से पानी टपकने लगा। पिछले 2 दिनों में

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया बंगाल की खाड़ी के पास बने कम दबाव के क्षेत्र और यूपी के ऊपर सक्रिय मानसूनी हवाओं के असर से अगले 24 घंटे में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। 2-3 दिन बारिश का सिलसिला जारी रहेगा।

फतेहपुर में बारिश से 7 कच्चे मकान गिरे, घर का सामान मलबे में दबा

फतेहपुर में मंगलवार रातभर हुई तेज बारिश के कारण जिले के अलग-अलग ब्लॉकों में करीब 7 कच्चे मकान गिर गए। मकान ढहने से घरों में रखा गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर बर्बाद हो गया। हालांकि सभी हादसों में कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रदेश में बारिश की वजह से हुए हादसों में 15 लोगों की मौत हुई है। मकान ढहने से महोबा-उन्नाव में 2-2 और सुल्तानपुर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। बांदा में नाले में बहे 4 लोगों में से 3 की मौत हो गई। इससे पहले, वाराणसी में मंगलवार को

प्रतापगढ़ में बारिश से जर्जर दीवार गिरी, महिला की मौत

प्रतापगढ़ के अंतू थाना क्षेत्र के गौराडाड नेवादा गांव में बुधवार सुबह करीब 7:30 बजे बारिश के कारण जर्जर दीवार गिर गई। इसकी चपेट में आने से 50 वर्षीय मीता देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें मलबे से बाहर निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अलग-अलग हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई थी। बांदा में बारिश से कमजोर दीवार ढहने से पिता और 6 माह की बेटी की मौत हो गई।

कानपुर में भारी बारिश के सड़कों पर भारी जलभराव हो गया।

लखनऊ में तेज बारिश दिन में छाया अंधेरा

लखनऊ में बुधवार को तेज बारिश के चलते दिन में ही अंधेरा छा गया। दोपहर बाद आसमान में घने बादल छाए रहे और झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश इतनी तेज थी कि कई इलाकों में विजिबिलिटी बेहद कम हो गई। शाम 4 बजे के बाद बारिश ने और जोर पकड़ लिया। सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हुई।

धड़ल्ले से हो रहा मिट्टी खनन रोड पर उड़ रहे धूल के गुब्बार

बारिश होने पर रोड पर होता कीचड़ लोग परेशान

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में इन दिनों अलग अलग जगाहो पर मिट्टी खनन का कारोबार जोर पकड़े हुए है इसी क्रम में बल्लोंपुर चौराहे के पास मरम्मत हो रही रोड पर इन दिनों ट्रैक्टर डोलो से मिट्टी की ढुलाई का काम जोर पकड़ता नजर आ रहा है। मिट्टी से भरे डोलो लगातार ग्रामीण मार्गों से गुजर रहे हैं, जिसके चलते कई स्थानों पर सड़कों पर मिट्टी फैलने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सूखे मौसम में सड़क पर मिट्टी के कारण धूल के गुबार उड़ते हैं, जबकि बारिश होने पर यही मिट्टी पक्की सड़क पर कीचड़ में तब्दील हो जाती है। इससे दोपहिया वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में काफी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर उड़ती धूल के कारण पीछे से आने वाले वाहनों को देखने में भी परेशानी होती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। वहीं बारिश के दौरान सड़क पर फैली मिट्टी के कारण मार्ग फिसलन भरा हो जाता है। ऐसा ही ताजा मामला मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र की लालपुर पुलिस चौकी अंतर्गत बल्लोपुर चौराहे से करीब सौ मीटर आगे गोवा मंझारा जाने वाले मार्ग पर देखने को मिला। स्थानीय सूत्रों के अनुसार इस मार्ग से मिट्टी भरे डोलो का आवागमन होने के चलते सड़क पर जगह-जगह मिट्टी फैल गई है।

अतीक परिवार के साथ आए सांसद चंद्रशेखर

प्रयागराज । माफिया अतीक के सबसे छोटे अबान की मौत के बाद अब अतीक परिवार से बनी राजनीतिक दलों की दूरी खत्म सी होने लगी है। एक एक कर बड़े नेता अब अतीक परिवार खासकर उनके बेटों के पक्ष में खुलकर सामने आ रहे हैं। अब आजाद समाज पार्टी के संस्थापक सांसद चंद्रशेखर उर्फ रावण ने खुलकर अतीक परिवार की पैरवी करते हुए यूपी सरकार पर हमला बोला है। सांसद चंद्रशेखर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस लेकर राजनीति गर्म है। सांसद चंद्रशेखर ने अतीक के बेटे असद के एनकाउंटर पर ही सवाल उठा दिए। कहा-अतीक के बेटे की जान गई, वो अपराधी नहीं था। सरकार ने जो जुल्म उनके साथ किया, इस तरफ झूठे एनकाउंटर हुए, ये भी इस बात का स्पष्टीकरण है कि सरकार बदले की कार्रवाई कर रही है। चंद्रशेखर ने कहा कि अब अतीक के बच्चों को इस आतंक मुक्त कराना चाहिए।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकाला गया भव्य जुलूस नारों से गूंजा माहौल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज-बाराबंकी। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को सूरतगंज कस्बे में अकीदत और उत्साह के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। मरकज मस्जिद से शुरू हुआ जुलूस कस्बे के विभिन्न मार्गों से होकर कदम रसूल पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। पूरे मार्ग में धार्मिक नारों से माहौल गूंजता रहा। जुलूस मरकज मस्जिद से प्रारंभ होकर साहबजादे पुरवा, बेल चौराहा, घोसिनपुर, फूलपुर, नई दुनिया, मैन चौराहा और मैन बाजार सहित विभिन्न स्थानों से होकर गुजरा। जुलूस में शामिल लोग नात-ए-पाक पढ़ते हुए और नारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। इस दौरान 'सरकार की आमद मरहबा, आका की आमद मरहबा' और 'पत्ती-पत्ती, फूल-फूल, या रसूल-रसूल' के नारों से वातावरण भक्तिमय नजर आया। जुलूस के मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। कई स्थानों पर लोगों ने जुलूस में शामिल अकीदतमंदों के लिए पानी आदि की व्यवस्था भी की। जुलूस में बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल रहे। लोगों में ईद मिलादुन्नबी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। जुलूस के दौरान शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। नवागत चौकी प्रभारी देवेंद्र सिंह भारी पुलिस बल के साथ जुलूस के साथ मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों ने जुलूस के निर्धारित मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही यातायात व्यवस्था को भी सुचारु रखने का प्रयास किया, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को किसी तरह की परेशानी न हो। पुलिस की मौजूदगी और स्थानीय लोगों के सहयोग से जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में आगे बढ़ा और निर्धारित मार्ग से होते हुए कदम रसूल पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस के दौरान लोगों से आपसी भाईचारा, सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील भी की गई।

खुलासा : प्रयागराज में थाने के पास से किडनैप किया था, ससुर-साला गिरफ्तार

बेटी की मौत का बदला लेने के लिए पीट-पीटकर हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में बेटी की मौत का बदला लेने के लिए दामाद के भाई को किडनैप कर पीट-पीटकर मार डाला गया। बुधवार को पुलिस ने युवक के छोटे भाई के ससुर और उसके चचेरे साले को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को कार सवार लोगों ने युवक को अगवा किया था। उसे कौशांबी ले जाकर हत्या करने के बाद शव यमुना नदी में फेंक दिया गया। जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर पूरामुफ्ती थाने के पास से युवक को अगवा किया गया था। युवक मूल रूप से कौशांबी का रहने वाला था। उसके छोटे भाई की पत्नी की संदिग्ध मौत के बाद मायके वालों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। मामले में युवक के माता-पिता और छोटा भाई जेल में हैं, जबकि युवक फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों ने पूछताछ में हत्या की बात कबूल कर ली है। शव की तलाश यमुना में उस जगह की जा रही है, जहां उसे फेंके जाने की बात सामने आई है। मूल रूप से कौशांबी के महगांव का रहने वाला मोनू कुशवाहा पेशे से ड्राइवर था। वह पार्ट टाइम ड्राइविंग करता था। उसकी शादी हुई थी, लेकिन बच्चे नहीं थे। उसका छोटा भाई राजकुमार प्राइवेट काम करता था। राजकुमार ने करीब एक महीने पहले कौशांबी के कूरा गांव की रहने वाली अनुराधा से प्रेम विवाह किया था।

यह तस्वीर 20 अगस्त की है, जब मोनू के अपहरण की जानकारी लेकर परिवार के लोग पूरामुफ्ती थाना पहुंचे थे।

थाने के पास से कार सवारों ने जबरन उठाया, पीट-पीटकर हत्या की

20 अगस्त की दोपहर करीब 12 बजे मोनू पूरामुफ्ती थाने के पास कुशवाहा स्वीट हाउस के सामने खड़ा था। इसी दौरान एक क्रेटा कार वहां पहुंची। उसमें सवार लोग नीचे उतरे और मोनू से मारपीट करने के बाद उसे जबरन कार में बैठाकर ले गए। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला।

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, छोटे भाई के ससुर नेम कुमार ने बेटी की मौत का बदला लेने के लिए मोनू की हत्या की। उसने अपने भतीजे पुनीत के साथ मिलकर मोनू को क्रेटा कार में अगवा किया। दोनों उसे पीटते हुए कौशांबी के महिला घाट ले गए। वहां यमुना नदी पर बने पुल के पास सुनसान जगह पर कार रोकी। पूछताछ में दोनों ने बताया कि कार में ही मोनू को लात-घूंसों से पीटा गया था। पुल के पास उसे नीचे उतारकर डंडे और पटरे से पीटा गया। नेम कुमार ने पटरे से उसके सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद शव को पुल से यमुना नदी में फेंककर दोनों वहां से भाग गए। यह पुल कौशांबी को चित्रकूट जिले से जोड़ता है। पुलिस अब मोनू के शव की तलाश कर रही है।

कारसेवकों को पांच लाख तक कैशलेस इलाज की मांग

उपमुख्यमंत्री को भेजा पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। श्री राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन से जुड़े आंदोलनकारियों, कारसेवकों, साधु-संतों, बलिदानी परिवारों एवं उनके आश्रितों को 5 लाख तक की कैशलेस एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की मांग उठी है। सूरतगंज ब्लॉक के जफरपुर क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष आक्रोश सिंह राठौर ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को पत्र देकर नीतिगत निर्णय लिए जाने का अनुरोध किया है। बृजेश पाठक उपमुख्यमंत्री को दिए गए पत्र में आक्रोश सिंह राठौर ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन देश के करोड़ों लोगों की आस्था, श्रद्धा और भावनाओं से जुड़ा ऐतिहासिक आंदोलन रहा है। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में रामभक्तों, कारसेवकों, साधु-संतों और आंदोलनकारियों ने अपना समय, श्रम और जीवन समर्पित किया। आंदोलन के दौरान अनेक लोगों ने अपना बलिदान दिया, वहीं कई परिवारों ने अपने परिजनों को खोया।उन्होंने कहा कि आज अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर साकार हो चुका है। ऐसे में मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों और उनके परिवारों के त्याग एवं योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करना समाज और सरकार का दायित्व है। राठौर ने मांग की कि प्रमाणित आंदोलनकारियों एवं कारसेवकों, आंदोलन में बलिदान हुए लोगों के परिवारों और उनके आश्रितों को आयुष्मान भारत योजना अथवा उत्तर प्रदेश सरकार की किसी विशेष स्वास्थ्य योजना के माध्यम से 5 लाख तक की कैशलेस और निःशुल्क उपचार सुविधा प्रदान की जाए। उन्होंने आंदोलन से जुड़े साधु-संतों एवं महात्माओं को भी निर्धारित पात्रता और सत्यापन के आधार पर इस सुविधा में शामिल करने की मांग की है। पत्र में उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों की पहचान के लिए जिला प्रशासन, उपलब्ध अभिलेखों और प्रमाणित संगठनों के माध्यम से पारदर्शी सत्यापन प्रक्रिया अपनाई जा सकती है।

अकीदतमंदों की भीड़ से गुलजार रहे रास्ते, जलालपुर में 18 अंजुमनों ने पेश की नात-ए-पाक

ईद मिलादुन्नबी पर रोशनी से जगमगाया जिला

जुलूस

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। ईद मिलादुन्नबी (बारावफात) पर बुधवार को जिलेभर में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाले गए। अकबरपुर, टांडा, जलालपुर, किछौछा, बसखारी, सम्मनपुर, हंसवर, सैदापुर और लोरपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक आयोजन हुए। मस्जिदों, घरों और गलियों को रंगीन रोशनी से सजाया गया। जुलूस में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने भाग लिया।

जुलूस के रास्तों पर कई जगह स्वागत द्वार बनाए गए। अकीदतमंदों के लिए पानी, शरबत और मिठाई की व्यवस्था की गई। पुलिस और प्रशासन की टीमें सुरक्षा व्यवस्था में लगी रहीं। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया।

> हंसवर क्षेत्र में गोहिल जाललीपुरा और कटोखर गांव से सुबह करीब 10 बजे जुलूस निकला। जुलूस हंसवर गन्ना मिल के पास पहुंचा और वहां से कटोखर चौराहे होते हुए वापस लौटा। गर्मी और उमस को देखते हुए जगह-जगह पानी और शरबत की व्यवस्था की गई।

सम्मनपुर क्षेत्र के शरीफपुर गांव में अंजुमन इत्तेहादुल मुस्लिमीन की ओर से जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। धर्मराज निषाद, प्रशासक एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, पूर्व सांसद रितेश पांडेय, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला समेत जनप्रतिनिधि, महिला मोर्चा के पदाधिकारी और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रक्षाबंधन के दौरान निशुल्क बस सेवा से बहनों को भाइयों तक पहुंचने में सुविधा होगी। 27 से 29 अगस्त तक सरकारी बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं और बेटियों को किराया नहीं देना होगा। सहयात्री को भी इस सुविधा में शामिल किया गया है।

जलालपुर में पांच पड़ावों पर सजी नात की महफिल

जलालपुर नगर में मरकजी कमेटी तहफ्फुज नामूसे रिसालत के तत्वावधान में दलालटोला के गंज शहीदा से नमाज-ए-ईशा के बाद जुलूस और नात-ख्वानी शुरू हुई। करीब 18 अंजुमनों ने पांच निर्धारित पड़ावों पर नात-ए-पाक और धार्मिक कलाम पेश किए। सभी पड़ावों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इसी क्रम में तन्जीम-ए-दावत-ए-इस्लामी की ओर से काजीपुरा स्थित फैजान ग्राउंड से जुलूसे मुहम्मदी निकाला गया। विभिन्न मार्गों से गुजरने के बाद जुलूस काजीपुरा पहुंचकर समाप्त हुआ।

जुलूस गांव की गलियों से गुजरा। वहीं सैदापुर में भी अंजुमन की ओर से जुलूस निकाला गया। दोनों स्थानों पर ग्रामीणों ने नात-ए-पाक पढ़ते हुए

भागीदारी की। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में देर रात तक आयोजन चलते रहे। पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से समन्वय बनाकर जुलूस के निर्धारित मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए।

बारिश में भरभराकर गिरा गरीब का कच्चा मकान, गृहस्थी मलबे में दबी

मंशापुर करोना में रातभर की बारिश से उमेश चौहान का घर ढहा

- रात में गिरा मकान, मलबे में दबा सामान
- बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे परिवार
- पक्के आवास की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। लगातार हो रही बारिश ने कटेहरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम मंशापुर करोना में एक परिवार की मुश्किल बढ़ा दी है। मंगलवार रात तेज बारिश के दौरान उमेश चौहान का कच्चा मिट्टी का मकान अचानक भरभराकर गिर गया। हादसे में घर में रखा गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया। इससे परिवार के सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है।

परिवार के मुताबिक, मंगलवार रात बारिश के दौरान कच्चा मकान

अचानक ढह गया। मकान गिरने से घर में रखा सामान मलबे के नीचे दब गया। परिवार के पास अब रहने के लिए सुरक्षित जगह नहीं बची है। घर की महिला पूजा देवी ने बताया कि मकान गिरने के बाद परिवार के सामने भोजन और रहने का संकट पैदा हो गया है। घर का जरूरी सामान भी मलबे में दबकर खराब हो गया। पूजा देवी के अनुसार, मकान ढहने के बाद परिवार को बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे रहने की स्थिति बन गई है। रात बिताने के लिए सुरक्षित स्थान नहीं है। परिवार में बच्चों और बुजुर्गों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार बारिश के कारण परिवार की चिंता और बढ़ गई है। मकान गिरने के बाद गृहस्थी चलाना भी मुश्किल हो गया है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से तत्काल आर्थिक सहायता की मांग की है। परिवार ने प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराने की अपील भी की है।

परिवार का कहना है कि पक्का आवास मिलने से उन्हें बारिश और मौसम की मार से राहत मिल सकेगी और रहने के लिए सुरक्षित छत उपलब्ध होगी।

फास्ट न्यूज

रामायण पाठ में पहुंचे रितेश पांडेय

जलालपुर। जलालपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में पूर्व सांसद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता रितेश पांडेय शामिल हुए। उन्होंने गारोपुर कोड़रा कला में आयोजित अखंड रामायण मानस पाठ में सहभागिता की। इसके बाद भंडारे में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। ग्राम पंचायत गारोपुर कोड़रा कला में अखंड रामायण मानस पाठ का आयोजन किया गया था। रितेश पांडेय ने कार्यक्रम में पहुंचकर पाठ में सहभागिता की और भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लिया।

फलाहारी महाराज के आश्रम को मिलेगा पर्यटन विकास का नया रूप

अंबेडकरनगर। बसखारी विकासखंड स्थित फलाहारी महाराज अंगिरामुनि उर्फ झूलरदास के आश्रम के लिए गुरुवार का दिन अहम होगा। आश्रम परिसर में नींव पूजन के साथ पर्यटन विकास कार्यों की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। कार्यक्रम में प्रस्तावित विकास कार्यों की आधारशिला रखी जाएगी। पर्यटन विकास कार्यों को लेकर आश्रम परिसर में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। नींव पूजन के साथ प्रस्तावित कार्यों को जमीन पर उतारने की प्रक्रिया शुरू होगी।

बारिश में कच्ची दीवार बनी काल

अंबेडकरनगर। जलालपुर तहसील के मालीपुर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गंज गांव में बुधवार को लगातार हो रही बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। घर की कच्ची मिट्टी की दीवार अचानक ढह गई। इसके मलबे में दबकर 52 वर्षीय राम प्रकाश की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। इस्माइलपुर गंज निवासी राम प्रकाश पुत्र सोहन बुधवार को अपने घर में काम कर रहे थे।

रक्षाबंधन पर बहनों को तीन दिन मुफ्त बस यात्रा का तोहफा

60 वर्ष से अधिक महिलाओं को अब स्थायी सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रक्षाबंधन पर प्रदेश सरकार ने महिलाओं को बस यात्रा की दोहरी सौगात दी है। 27 अगस्त सुबह छह बजे से 29 अगस्त मध्यरात्रि 12 बजे तक उत्तर प्रदेश की सरकारी बसों में माताओं, बहनों और बेटियों को सहयात्री सहित निशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही 60 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं के लिए लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा योजना शुरू की गई है। इसके तहत पात्र महिलाएं आधार कार्ड या वोटर आईडी दिखाकर निशुल्क बस यात्रा कर सकेंगी।

योजना के शुभारंभ कार्यक्रम का बुधवार को लोहिया भवन सभागार में सजीव प्रसारण किया गया। शासन की ओर से नामित नोडल डॉ. कुमकुम धर, विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय, कटेहरी विधायक

धर्मराज निषाद, प्रशासक एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा, पूर्व सांसद रितेश पांडेय, जिलाधिकारी ईशा प्रिया और मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला समेत जनप्रतिनिधि, महिला मोर्चा के पदाधिकारी और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रक्षाबंधन के दौरान निशुल्क बस सेवा से बहनों को भाइयों तक पहुंचने में सुविधा होगी। 27 से 29 अगस्त तक सरकारी बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं और बेटियों को किराया नहीं देना होगा। सहयात्री को भी इस सुविधा में शामिल किया गया है।

राखी भेजने की खास तैयारी डाकघर में खुला स्पेशल काउंटर

बारिश और नमी से बचाने को 10 रुपये में वाटरप्रूफ लिफाफा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए डाक विभाग ने राखियों की सुरक्षित और समय से डिलीवरी के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। प्रधान डाकघर में राखी भेजने के लिए अलग काउंटर बनाया गया है। मानसून में बारिश और नमी से राखियों को सुरक्षित रखने के लिए 10 रुपये में वाटरप्रूफ लिफाफे उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

डाक विभाग ने जिले के लिए करीब चार हजार वाटरप्रूफ लिफाफों का स्टॉक तैयार किया है। ये लिफाफे प्रधान डाकघर के साथ जलालपुर, जाफरगंज, मालीपुर, बसखारी, टांडा, बरियावन, विद्युत नगर, महरुआ, भोटी, कटेहरी और

औरंगनगर समेत 32 उप डाकघरों में उपलब्ध कराए गए हैं।

डाक विभाग के अनुसार राखी के साथ मिठाई, कुमकुम और पूजा सामग्री भी भेजी जा सकती है। स्पीड पोस्ट के जरिए दिल्ली और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में राखी करीब 24 घंटे में पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

विदेश भेजे जाने वाले राखी के पैकेट की डिलीवरी तीन से छह दिन में करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भारत के किसी भी राज्य में राखी का पैकेट स्पीड पोस्ट से भेजने पर 42 रुपये और रजिस्ट्री डाक से भेजने पर 22 रुपये शुल्क निर्धारित है। वजन बढ़ने पर डाक शुल्क भी बढ़ेगा। विदेशों के लिए रजिस्ट्री डाक से राखी भेजने का शुल्क 400 रुपये और स्पीड पोस्ट का शुल्क 1500 रुपये तय किया गया है। सऊदी अरब, अमेरिका और दुबई समेत अन्य देशों में भी यह सुविधा उपलब्ध है। प्रधान डाकघर की पोस्टमास्टर सुमन पांडेय ने बताया कि रक्षाबंधन नजदीक आने के साथ राखी भेजने वालों की संख्या बढ़ रही है। डाक विभाग की विशेष व्यवस्था से लोगों को राखी सुरक्षित और समय पर भेजने में सुविधा मिलेगी।

बार के पूर्व अध्यक्ष केडी मिश्र का निधन

इलाज के दौरान दूसरी बार पड़ा दिल का दौरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर बार के पूर्व अध्यक्ष केडी मिश्र का बुधवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके निधन की खबर से अधिवक्ता समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि बुधवार को अचानक उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। हालत बिगड़ने पर उन्हें अकबरपुर के एक निजी चिकित्सालय में ले जाया गया। अकबरपुर में चिकित्सकीय जांच के बाद उनकी हालत गंभीर बताई गई। इसके बाद उन्हें बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार, लखनऊ में चिकित्सकों ने तीन दिन बाद ऑपरेशन करने की बात कहकर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया था।

बताया गया कि इलाज के दौरान केडी मिश्र को दोबारा दिल का दौरा पड़ा। हालत बिगड़ने के बाद

- अचानक बिगड़ी थी तबीयत, अकबरपुर में प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ किया गया था रेफर

चिकित्सकों ने उपचार का प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। बुधवार को ही उनके निधन की सूचना सामने आई। परिजनों की ओर से लखनऊ में इलाज के दौरान चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

कब्जे के विवाद ने लिया कानूनी मोड़, सीजेएम के आदेश पर तहसीलदार समेत दो नामजद और चार-पांच अज्ञात पर केस

तहसीलदार की मौजूदगी में टूटा दुकान का ताला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर के शहजादपुर में दुकान के कब्जे को लेकर चल रहा विवाद अब पुलिस कार्रवाई तक पहुंच गया है। सीजेएम कोर्ट के आदेश पर अकबरपुर पुलिस ने तहसीलदार अकबरपुर संतोष कुमार समेत दो नामजद और चार-पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। आरोप दुकान का ताला तोड़कर सामान बाहर निकालने और कब्जा करने का है। पुलिस ने डकैती, आपराधिक अतिचार, गृह अतिचार, शांति भंग करने, गंभीर आपराधिक धमकी और लोक सेवक के कानून का उल्लंघन करने समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोप है कि 20 फरवरी 2026 को अरुण कुमार तहसीलदार अकबरपुर संतोष कुमार को मौके पर

लेकर पहुंचे। प्रार्थना पत्र के मुताबिक तहसीलदार की मौजूदगी में उनके सुरक्षाकर्मियों और चार-पांच अज्ञात लोगों ने दुकान का ताला तोड़ दिया। दुकान में रखा सामान बाहर निकाल दिया गया। सोएब ने घटना के बाद पुलिस और एसपी को प्रार्थना पत्र दिया। कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने सीजेएम कोर्ट में आवेदन किया। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अकबरपुर पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया।

मामले में जॉइंट मजिस्ट्रेट/एसडीएम अकबरपुर की कोर्ट में दी गई रिपोर्ट भी सामने आई। इसमें घटनास्थल पर तहसीलदार की मौजूदगी की पुष्टि होने की बात कही गई है। तहसीलदार ने अपने जवाब में डीएम के मौखिक आदेश पर चौकी प्रभारी और क्षेत्रीय लेखपाल के साथ मौके का स्थलीय निरीक्षण करने की

14.50 लाख में खरीदा था मकान, दुकान में शुरू किया था कारोबार

शहजादपुर निवासी सैय्यद सोएब रिजवी ने अदालत में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उन्होंने सात दिसंबर 2020 को सिझौली में रमेश से 14.50 लाख रुपये में पंजीकृत बैनामे के जरिए मकान खरीदा था। मकान में स्थित दुकान में रैक और फर्नीचर लगाकर कारोबार शुरू किया गया था। सोएब के अनुसार संघतिया शहजादपुर निवासी अरुण कुमार मकान को लेकर लगातार विवाद कर रहे थे। मामले की शिकायत प्रशासन से की गई। एसडीएम स्तर से जांच के बाद विवाद को सिविल प्रकृति का बताया गया था। साथ ही प्रशासनिक स्तर से कब्जा बदलने की कार्रवाई नहीं किए जाने की बात कही गई थी।

> सीओ सिटी नितीश कुमार तिवारी ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बात स्वीकार की थी। सीजेएम संदीप कुमार ने आदेश में कहा कि सिविल प्रकृति के विवाद में प्रशासनिक अधिकारी किसी पक्षकार की तरह बलपूर्वक संपत्ति से बेदखली नहीं कर सकते। अदालत ने पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कर मामले की विवेचना के निर्देश दिए।

14.15 करोड़ के प्रस्ताव से होंगे 2713 काम

जिले में बिजली ढांचे को मजबूती देने की तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने की कवायद शुरू हो गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बिजनेस प्लान में विद्युत ढांचे को दुरुस्त करने के लिए 14 करोड़ 15 लाख 24 हजार रुपये का प्रस्ताव तैयार कर मध्यांचल निदेशालय को भेजा गया है। बजट की स्वीकृति मिलने के बाद प्रस्तावित कार्यों को धरातल पर उतारा जाएगा।

बिजली विभाग के मुताबिक जिले में करीब 4.40 लाख उपभोक्ताओं को आपूर्ति देने के लिए 42 विद्युत उपकेंद्र संचालित हैं। बिजनेस प्लान में इन उपकेंद्रों की व्यवस्थाओं को मजबूत करने के साथ लाइन और ट्रांसफार्मर से जुड़े जरूरी कार्य

शामिल किए गए हैं। अकबरपुर, आलापुर, जलालपुर और टांडा सबडिवीजन में कुल 2713 कार्य प्रस्तावित हैं। विभाग ने सभी क्षेत्रों में कराए जाने वाले कार्यों की सूची तैयार कर ली है। इनमें बिजली नेटवर्क की क्षमता और सुरक्षा बढ़ाने से जुड़े कार्य प्रमुख हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने का प्रस्ताव है। जरूरत के मुताबिक ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। साथ ही 11 हजार वोल्ट और 33 केवी की नई विद्युत लाइनें बिछाई जाएंगी।

विद्युत उपकेंद्रों के कायाकल्प के साथ कार्यालयों और उपकेंद्रों में सीसी कैमरे लगाए जाएंगे। रात में रोशनी की व्यवस्था के लिए स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना भी प्रस्ताव में शामिल है।

बिजली उपकेंद्रों पर पेयजल और शौचालय जैसी सुविधाएं विकसित करने के साथ कर्मचारियों के आवासों की मरम्मत का भी प्रस्ताव है। वहीं नेशनल हाईवे और प्रमुख मार्गों के ऊपर से गुजरने वाले बिजली तारों को हटाकर भूमिगत केबल डालने की योजना बनाई गई है।

अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रस्ताव निदेशालय को भेज दिया गया है। बजट स्वीकृत होने के बाद ही प्रस्तावित कार्य शुरू कराए जाएंगे।

सड़क किनारे संदिग्ध हालत में मिला युवक

भरौली-सावितपुर मार्ग पर राजेसुल्तानपुर पुलिस की कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर पुलिस ने मंगलवार शाम भरौली-सावितपुर मार्ग पर कार्रवाई करते हुए चाकू के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, पकड़ा गया युवक कस्तुरीपुर निवासी अवधेश पांडेय (32) है। उसके कुर्ते की जेब से चाकू बरामद हुआ। चाकू रखने का अधिकार पत्र नहीं दिखाने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी तनुज कुमार पाल ने बताया कि भरौली गांव से आगे सड़क किनारे एक संदिग्ध युवक के खड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस को देखते ही युवक से पूछताछ की गई। इसके बाद उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान

उसके कुर्ते की जेब से चाकू बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद चाकू की लंबाई करीब 16 अंगुल है। पुलिस ने युवक से चाकू रखने संबंधी अधिकार पत्र मांगा, लेकिन वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सका।

इसके बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस के मुताबिक, उसे अवैध हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी तनुज कुमार पाल ने बताया कि युवक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

मांग : सीएमओ को सौंपा ज्ञापन, संगठन का दावा-2024 से भुगतान में अनियमितता

अर्बन आशाओं के मानदेय का भुगतान अटका

- नई आशाओं को भी पूरा मानदेय नहीं मिला
- 1,500 रुपये प्रतिमाह के भुगतान में भी अनियमितता का आरोप
- अधिकारियों को भेजी ज्ञापन की प्रतियां

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अर्बन आशा कार्यकत्रियों के लंबित मानदेय और विभिन्न मदों के भुगतान को लेकर आशा एवं आशा संगिनी कार्यकत्री सेवा समिति संगठन ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (CMO) को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने वर्ष 2024 से भुगतान में अनियमितता का आरोप लगाते हुए सभी बकाया राशि जल्द जारी कराने की मांग की है।

संगठन ने बताया कि नई अर्बन

आशाओं की नियुक्ति 12 सितंबर 2025 को हुई थी। अक्टूबर 2025 से उनके वाउचर जमा किए जा रहे हैं। इसके बावजूद वर्ष 2026 में उन्हें केवल मार्च में 7,500 रुपये का भुगतान मिला है। अप्रैल 2026 से अब तक का भुगतान लंबित बताया गया है।

ज्ञापन में राज्य बजट से मिलने वाले 1,500 रुपये प्रतिमाह के भुगतान में भी अनियमितता का आरोप लगाया गया है। संगठन का कहना है कि लंबे समय से भुगतान नहीं होने से अर्बन आशाओं को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

संगठन ने सीएमओ से सभी लंबित भुगतानों का जल्द निस्तारण कराने की मांग की है। ज्ञापन की प्रतियां जिलाधिकारी, अर्बन नोडल अधिकारी समेत संबंधित विभागीय अधिकारियों को भी भेजी गई हैं।

संगठन ने कहा कि भुगतान में देरी जारी रहने पर आशा कार्यकत्रियों में असंतोष बढ़ सकता है।

पुरानी आशाओं का कई माह का भुगतान बाकी

संगठन की जिलाध्यक्ष ऊषा पटेल और जिलामंत्री नीलम सिंह ने बताया कि पुरानी अर्बन आशाओं को वर्ष 2024 से 2025 के बीच केवल छह माह का भुगतान किया गया है। कई महीनों का मानदेय अभी लंबित है।

संगठन के अनुसार अप्रैल 2025 से मार्च 2026 की अवधि में भी सिर्फ चार माह का भुगतान हुआ है। मार्च 2026 से अब तक पुरानी अर्बन आशाओं को कोई भुगतान नहीं मिला है।

पान का इंतजार कर रहे वृद्ध पर गिरी आकाशीय बिजली

नाऊनगर में हल्की बारिश के बीच हुआ हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र के नाऊनगर में बुधवार दोपहर हल्की बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से 65 वर्षीय सतिराम की मौत हो गई। वह पान की गुमटी पर खड़े होकर पान का इंतजार कर रहे थे। बिजली की चपेट में आने से वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। गुमटी संचालक महिला भी इसकी चपेट में आकर मामूली रूप से घायल हो गई।

संदहा मजगांवा मुसहा निवासी सतिराम पुत्र बीपत बुधवार दोपहर बसखारी से अपने घर लौट रहे थे। करीब डेढ़ बजे वह नाऊनगर में पान की गुमटी पर रुके।

वह गुमटी पर खड़े होकर पान का इंतजार कर ही रहे थे कि इसी दौरान हल्की बारिश शुरू हो गई। अचानक तेज आवाज के साथ आकाशीय बिजली गिरी। सतिराम सीधे इसकी

चपेट में आ गए और बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े।

आकाशीय बिजली गिरने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

उपनिरीक्षक अरुण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सतिराम को सीएचसी बसखारी पहुंचाया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सतिराम की मौत की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग सीएचसी बसखारी पहुंच गए।

सम्पादकीय

कामचलाऊ कौशल विकास

नीति आयोग ने अपनी एक रिपोर्ट में शिक्षा, कौशल और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर की जो तस्वीर प्रस्तुत की, उस पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। इस रिपोर्ट में नीति आयोग ने कमजोर व्यावहारिक सीख, सतही इंटर्नशिप एवं अप्रेंटिसशिप के साथ-साथ करियर गाइडेंस की कमी को जिस तरह प्रमुख चुनौतियों में गिना, उससे यह स्पष्ट है कि कौशल विकास के जो कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और जिनमें अच्छी-खासी धनराशि भी खर्च की जा रही है, वे उद्योग जगत की जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि कौशल विकास के कार्यक्रमों में युवा कुछ सीखने के स्थान पर कामचलाऊ प्रशिक्षण पा रहे और केवल प्रमाण पत्र हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं?

यह सही समय है कि इन कार्यक्रमों के संचालन में आइआइटी और आइआइएम जैसे संस्थानों का सहयोग लिया जाए। इन कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाते समय कारोबार जगत को भी साथ लेना चाहिए, ताकि यह जाना जा सके कि उसे कैसे कौशल से लैस युवाओं की आवश्यकता है। ध्यान रहे कारोबार जगत यह शिकायत करता रहता है कि उसे जैसे कुशल युवा चाहिए, वैसे नहीं मिल पा रहे हैं। निःसंदेह यह भी चिंताजनक है कि नीति आयोग की रिपोर्ट शिक्षा व्यवस्था की खामियां भी बयान कर रही है। यह ठीक नहीं कि उच्च शिक्षा पाने वाले 80 प्रतिशत छात्रों ने प्रैक्टिकल अनुभव की कमी को बड़ी समस्या बताया। शायद इसी कारण केवल 8.25 प्रतिशत ग्रेजुएट ही ऐसे काम में हैं, जो उनकी शिक्षा स्तर के अनुरूप है। आज जब सामान्य बीए, बीकाम और बीएससी की डिग्रियां रोजगार पाने में सहायक नहीं बन पा रही हैं, तब फिर डिग्रीधारकों को किसी ऐसे कौशल से लैस किया ही जाना चाहिए, जो उन्हें रोजगार दिला सके। विडंबना यह है कि बड़ी संख्या में छात्र सामान्य डिग्रियां हासिल करते हैं और फिर वे सरकारी नौकरियों की तलाश करने लगते हैं। आज जब हर क्षेत्र में कौशल की मांग है, तब बीए, बीकाम, बीएससी आदि की पहले जैसी पढ़ाई का क्या औचित्य?

देश को केवल डिग्रीधारी युवाओं की जरूरत नहीं, बल्कि डिग्री संग किसी कौशल से लैस युवाओं की आवश्यकता है। आज की पीढ़ी को यह संदेश देना होगा कि उन्हें ऐसे किसी कौशल से लैस होना होगा, जिसकी बाजार में मांग हो। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो युवा डिग्री तो हासिल कर लेंगे, लेकिन उन्हें नौकरी पाने में कठिनाई होगी। वर्तमान में डिग्री हासिल कर लेने और नौकरी के लिए सक्षम होने में स्पष्ट अंतर स्थापित हो गया है। इस अंतर को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के लिए नीति आयोग के इस सुझाव पर यथाशीघ्र अमल किया जाए कि स्कूल से लेकर कालेज स्तर तक रोजगार और उद्यमिता से जुड़े कौशल की सीख दी जाए।

मिठास का कड़वा गणित - चीनी के भावों के उतार-चढ़ाव का असल खेल

> 66
> चीनी केवल स्थानीय बाजार की वस्तु नहीं है, यह एक वैश्विक कमोडिटी भी है। जब भी दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक देशों जैसे ब्राजील, थाईलैंड या भारत में मौसम बिगड़ता है, तो अंतरराष्ट्रीय एक्सचेंजों में चीनी के दाम तेजी से बढ़ने लगते हैं।

भारत में चीनी केवल रसोई का एक आवश्यक हिस्सा नहीं है, बल्कि यह देश के आर्थिक और राजनीतिक ताने-बाने को नियंत्रित करने वाली एक बेहद संवेदनशील कमोडिटी भी है। हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में आई अचानक उछाल ने एक बार फिर उपभोक्ताओं की जेब पर असर डाला है और नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। खुदरा बाजार में चीनी के दाम अचानक प्रति किलो कई रुपये चढ़ गए हैं। आम उपभोक्ता के लिए यह केवल एक सामान्य महंगाई की मार हो सकती है, लेकिन राजनीतिक-आर्थिक चश्मे से देखें तो इसके पीछे 'डिमांड और सप्लाई' के पारंपरिक नियम से कहीं बड़ा और पेचीदा खेल चल रहा है। इस खेल में मौसम की अनिश्चितता, एथनॉल निर्माण की महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय नीतियां, सरकारी अनुमानों के यू-टर्न, अंतरराष्ट्रीय बाजार का दबाव और सबसे बढ़कर, घरेलू बाजार के सटोरियों व रसूखदार जमाखोरों का सिंडिकेट शामिल है। चीनी के इस पूरे चक्रव्यूह को समझे बिना हम इसकी कीमतों के उतार-चढ़ाव के असल खेल को नहीं समझ सकते।

चीनी उद्योग का सबसे पहला और बुनियादी खेल गन्ने की पैदावार बनाम चीनी की 'रिकवरी रेट' के बीच छुपा होता है। अक्सर आम जनता और यहाँ तक कि सरकारें भी गन्ने की लहलहाती फसल देखकर यह मान लेती हैं कि इस साल चीनी का बंपर उत्पादन होगा। लेकिन हकीकत इसके उलट होती है। इस सीजन में भी गन्ने की फसल खेतों में खड़ी जरूर दिखी, लेकिन मौसम के मिजाज ने पूरा खेल बिगाड़ दिया। मानसून की अनिश्चितता और ऐन वक्त पर तापमान में आए असंतुलन के कारण गन्ने की फसल 'रेड रोट' जैसी फंगस जनित बीमारियों की शिकार हो गई। इसका सीधा असर गन्ने के अंदर मौजूद रस की मात्रा और उसकी गुणवत्ता पर पड़ा। जब यह गन्ना मिलों में पेराई के लिए पहुँचा, तो रिकवरी रेट, यानी गन्ने के वजन के मुकाबले चीनी निकलने का प्रतिशत काफी नीचे गिर गया। शुरुआती अनुमानों में जहां देश के भीतर करीब ३४३ लाख टन चीनी उत्पादन की उम्मीद जताई जा रही थी, वहीं यह रिकवरी रेट गिरने के कारण घटकर लगभग ३०६ लाख टन पर ही सिमट गया। यानी फसल दिखने में अच्छी थी, लेकिन मिलों से निकलने वाली चीनी का वास्तविक उत्पादन उम्मीद से ३७ लाख टन कम रहा। यह उत्पादन का पहला कड़वा सच है जो बाजार में कमी की शुरुआती बुनियाद रखता है।

चीनी के भावों में आए इस उबाल के पीछे सरकार की 'एथनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी' का भी एक बड़ा रणनीतिक हाथ है। कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए सरकार पेट्रोल में २० प्रतिशत तक एथनॉल मिलाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। एथनॉल बनाने के लिए सबसे मुफीद और आसान जरिया गन्ने का रस या भारी शीरा होता है। जब चीनी मिलों को गन्ने के रस से सीधे एथनॉल बनाने की अनुमति मिली, तो मिल मालिकों के लिए यह अधिक मुनाफे का सौदा साबित हुआ। बाजार के विश्लेषकों का एक वर्ग यह आरोप लगाता रहा है कि भारी मात्रा में गन्ने के रस को एथनॉल निर्माण की तरफ मोड़ने के कारण घरेलू बाजार में चीनी का स्टॉक कम हुआ और कीमतें बढ़ीं। हालांकि, सरकार के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि इस साल उत्पादित कुल एथनॉल का लगभग ६८ प्रतिशत हिस्सा मक्का और खराब हो चुके अनाजों से आया है, और चीनी का केवल ९ प्रतिशत हिस्सा ही एथनॉल के लिए इस्तेमाल हुआ। इसके बावजूद, बाजार एक मनोवैज्ञानिक धारणा पर काम करता है। जैसे ही सटोरियों को यह संदेश जाता है कि गन्ना चीनी के बजाय ईंधन बनाने में जा रहा है, वे बाजार में कृत्रिम कमी का डर दिखाकर कीमतों को बढ़ाना शुरू कर देते हैं।

चीनी के खेल को नियंत्रित करने वाला तीसरा सबसे बड़ा खिलाड़ी खुद सरकार की व्यापारिक नीतियां और उनके बदलते आंकड़े हैं। चीनी एक ऐसी कमोडिटी है जिस पर सरकार की पैनी नजर होती है, लेकिन कई बार जमीनी हकीकत को भांपने में होने वाली देरी बाजार को पूरी तरह अस्थिर कर देती है। इस सीजन की शुरुआत में जब मिलों और सरकारी विभागों ने बंपर स्टॉक का अनुमान लगाया, तो सरकार ने चीनी के निर्यात को हरी झंडी दे दी। इसके तहत लगभग २० लाख टन चीनी देश से बाहर भेज दी गई ताकि मिल मालिकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार के ऊंचे दामों का फायदा मिल सके और वे किसानों के गन्ने का भुगतान समय पर कर सकें। लेकिन जैसे ही मध्य-सीजन में कम रिकवरी के कारण चीनी का वास्तविक उत्पादन घटने लगा, सरकार को अपनी रणनीति अचानक बदलनी पड़ी। आनन-फानन में निर्यात पर रोक लगाई गई और घरेलू बाजार में आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तुरंत १० लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की घोषणा करनी पड़ी। सरकार की नीतियों में आया यह अचानक यू-टर्न बाजार के बड़े व्यापारियों के लिए एक स्पष्ट संकेत होता है। वे समझ जाते हैं कि सरकार के पास स्टॉक की कमी है, और यहीं से सट्टेबाजी का असली खेल शुरू होता है। जब उद्योग जगत के शीर्ष संगठन 'इंडियन शुगर एंड बायोएनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन' के बयानों को देखा जाए, तो उनका स्पष्ट कहना है कि देश में चीनी की कोई वास्तविक या भौतिक किल्लत नहीं है। देश की आबादी की जरूरत को पूरा करने के लिए गोदामों में पर्याप्त चीनी मौजूद है। तो फिर दाम क्यों बढ़ रहे हैं? इसका जवाब है—जमाखोरी और कृत्रिम किल्लत का संगठित सिंडिकेट। यह खेल थोक व्यापारियों, बड़े डीलरों और वायदा बाजार के सटोरियों द्वारा खेला जाता है। जैसे ही मौसम की खराबी या आयात-निर्यात नीतियों में बदलाव की खबरें आती हैं, यह सिंडिकेट सक्रिय हो जाता है। विशेषकर त्योहारों के सीजन के दौरान, जब मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माताओं की मांग चरम पर होती है, ये बड़े डीलर एडवांस में ही चीनी का भारी स्टॉक दबा लेते हैं। मिलों से बाजार तक आने वाली सप्लाई चेन को जानबूझकर धीमा कर दिया जाता है। जब मांग बहुत ज्यादा हो और बाजार में माल कम दिखे, तो कीमतें अपने आप आसमान छूने लगती हैं। इस तरह बिना किसी वास्तविक कमी के, केवल कागजी और गोडाउन के स्तर पर कमी दिखाकर करोड़ों रुपये का मुनाफा कमाया जाता है।

भारतीय चीनी मिलें हमेशा इस फिराक में रहती हैं कि वे वैश्विक बाजार की इस तेजी का लाभ उठाएं।

अशोक भाटिया

गांधी के विकास...

कुमार कृष्णन

शहर बनाइए, लेकिन जिंदगी उजाड़कर नहीं

पटना की सड़कों पर 25 अगस्त को किसानों का उतरना केवल किसी सरकारी परियोजना के विरोध का दृश्य नहीं था। इसके पीछे जमीन, आजीविका, सम्मान, अस्मिता और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर सवाल है। प्रस्तावित पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को लेकर पुनपुन, नौबतपुर, मसौढ़ी, फतुहा, संपतचक, पटना ग्रामीण, धनरुआ, दनियावां और फुलवारी क्षेत्र के किसानों में असंतोष है। प्रस्तावित योजना का क्षेत्र करीब 81,730 एकड़ और 273 गांवों तक फैला बताया गया है। पुनपुन के 19 गांवों में करीब 3,008 एकड़ का कोर क्षेत्र प्रस्तावित है।

सरकार इसे पटना के सुनियोजित विस्तार, आवास, रोजगार, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली महत्वाकांक्षी परियोजना के रूप में देख रही है। दूसरी ओर किसानों का कहना है कि उनकी बहुफसली और उपजाऊ जमीन ही उनकी आजीविका का आधार है। वे केवल मुआवजे के बदले अपनी जमीन नहीं छोड़ना चाहते। किसानों का यह सवाल गंभीर है कि जमीन चली गई तो खेती और उससे जुड़ी उनकी आर्थिक सुरक्षा का क्या होगा? यहीं से यह मामला महज भूमि अधिग्रहण का प्रशासनिक प्रश्न नहीं रह जाता। इसे महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया की कसौटी पर देखने पर विकास, लोकतंत्र और किसान के अधिकार से जुड़े कई बुनियादी प्रश्न सामने आते हैं।

गांधी के विकास-दर्शन का केंद्र मनुष्य था। वे विशेष रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति के हित को किसी भी निर्णय की कसौटी मानते थे। उनकी 'अंत्योदय' की दृष्टि यही पूछती है कि किसी नीति या परियोजना का असर सबसे कमजोर व्यक्ति पर क्या पड़ेगा।

पाटलिपुत्र टाउनशिप के संदर्भ में पहला सवाल भी यही होना चाहिए कि इस परियोजना से सबसे अधिक प्रभावित कौन होगा? यदि वह किसान है जिसकी तीन फसलों वाली जमीन चली जाती है, तो उसके जीवन का मूल्यांकन केवल जमीन की बाजार कीमत से कैसे किया जा सकता है?

किसान के लिए जमीन सिर्फ संपत्ति नहीं है। वह उत्पादन का साधन, परिवार की सुरक्षा और सामाजिक पहचान का आधार है। खेत से होने वाली आय से बच्चों की पढ़ाई, बेटियों की शादी और परिवार की दूसरी जरूरतें पूरी होती हैं। इसलिए जमीन के बदले मिलने वाला मुआवजा और आजीविका का स्थायी विकल्प एक ही बात नहीं है। गांधी की कसौटी पर किसी भी विकास योजना की पहली परीक्षा यही होगी कि क्या वह अंतिम व्यक्ति के हित को केंद्र में रखती है।

गांधी की 'ट्रस्टीशिप' की अवधारणा भी यहां प्रासंगिक है। इसका मूल भाव था कि संसाधनों का उपयोग व्यापक सामाजिक हित में होना चाहिए। यदि कृषि भूमि को शहरी विकास में बदला जाता है तो उस भूमि से जुड़े लोगों को केवल मुआवजे का पात्र मान लेना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें निर्णय-प्रक्रिया का सहभागी बनाना होगा।

सरकार की ओर से लैंड पूलिंग, समझौता, हाइब्रिड मॉडल और भूमि खरीद या अधिग्रहण जैसे विकल्पों पर विचार की बात कही गई है। नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा ने किसानों और भू-स्वामियों के साथ संवाद करने तथा उनकी राय को गंभीरता से सुनने की बात कही है। यह सकारात्मक संकेत है। लेकिन गांधी की कसौटी पर संवाद का अर्थ केवल योजना समझाना नहीं है। संवाद का अर्थ है—दूसरे पक्ष की बात सुनना और आवश्यकता पड़ने पर अपने निर्णय में बदलाव की संभावना बनाए रखना।

यदि किसान कहता है कि उसे अपनी जमीन नहीं देनी है, तो प्रशासन को केवल उसे परियोजना के लाभ समझाने के बजाय यह भी समझना होगा कि वह जमीन क्यों नहीं देना चाहता।

यहीं गांधी का अहिंसक लोकतंत्र महत्वपूर्ण हो जाता है। गांधी के लिए असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति थी। सत्याग्रह का मूल भाव था कि अन्यायपूर्ण या अस्वीकार्य व्यवस्था के विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रतिरोध किया जाए और विरोध करने वाले की आवाज सुनी जाए।

25 अगस्त को किसानों ने गांधी मैदान से मार्च निकाला और डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़े।

उपभोक्ता पर...

ओ.पी. पाल

क्या चीनी की कडवाहट के बाद अब प्याज निकालेगा आंसू?

भारत में प्याज जैसे खाद्य सामग्री का संकट, पिछले कुछ दशकों में राजनीतिक और आर्थिक इतिहास बदलने का गवाह बनते देखा गया है। इसका कारण भी स्पष्ट रहा है, कि भारतीय रसोई की नींव अगर स्वाद, सेहत और सुगंध पर टिकी है, तो उसमें चीनी की मिठास और प्याज का तड़का दो सबसे मजबूत स्तंभ माने जाते हैं लेकिन हाल के दिनों में खाद्यान्न और खाद्य पदार्थों के दामों में उतार-चढ़ाव ने आम उपभोक्ता के घरेलू बजट की गणित को पूरी तरह बिगाड़ कर रख दिया है। पहले तो खाद्य तेलों और चीनी की कीमतों में आई नरमी अचानक दामों में उछाल में बदल गई, और अब बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतें आम आदमी की आंखों में आंसू लाने की शुरुआत कर दी है। सवाल यह उठता है कि क्या चीनी की कड़वाहट के बाद अब प्याज वाकई आमजन को रुलाने की तैयारी में है? हालांकि, स्थिति गंभीर होने से पहले ही केंद्र व राज्य सरकारों ने मोर्चा संभाल लिया है। जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कानूनी शिकंजा कसने के निर्देश दिए गए हैं।

दरअसल, चीनी की कडवाहट के बाद प्याज की अचानक बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने विशेष योजना तैयार की है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने (24 अगस्त को) जानकारी दी है कि महाराष्ट्र के नासिक से प्याज का सरकारी बफर स्टॉक 'कांदा एक्सप्रेस' के जरिए देश के प्रमुख खपत केंद्रों तक भेजना शुरु किया है। प्रथम चरण में प्याज की खेप चेन्नई, मदुरै, दिल्ली, एर्नाकुलम और गुवाहाटी भेजी जा रही है। नासिक के बफर स्टॉक से 'कांदा एक्सप्रेस' के रेल रैक के जरिए पहुंचाई जा रही इस आपूर्ति को थोक और खुदरा दोनों बाजारों में उतारा जाएगा। राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) जैसी सरकारी एजेंसियों के माध्यम से खुदरा बाजार में 35 रुपये प्रति किलो की रियायती दर पर प्याज बेचा जाएगा। केंद्र सरकार के पास चालू वर्ष के लिए 1.21 लाख टन प्याज का सुरक्षित बफर स्टॉक उपलब्ध है, जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह पर्याप्त है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले महीनों में देश में प्याज की उपलब्धता संतोषजनक रहेगी। बफर स्टॉक की स्थापना नाफेड और एनसीसीएफ के जरिए आपात स्थिति और त्योहारों के दौरान कीमतों को स्थिर रखने के लिए ही की जाती है।

उपभोक्ताओं पर पड़ने वाली यह महंगाई केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर एक आम नागरिक की थाली और उसकी बचत पर पड़ता है। जब रसोई के चीनी, दालें, एडिबल ऑयल और प्याज जैसे मूल सामान महंगे होते हैं, तो सबसे ज्यादा नुकसान निम्न और मध्यम वर्ग का होता है। एक सामान्य भारतीय परिवार के मासिक खर्च में खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 40 फीसदी से 50 फीसदी तक होती है। जब प्याज और चीनी जैसी बुनियादी चीजें महंगी होती हैं, तो शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन जैसे अन्य अनिवार्य खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। वहीं महंगाई के कारण लोग गुणवत्तापूर्ण खान-पान से समझौता करने को मजबूर हो जाते हैं।

साँसों का क्या भरोसा

साँसों का क्या भरोसा यह सुनकर , सोचकर , देखकर , समझकर मानो भितर से अलग ही तरह की कंपन्न हों जाती हैं जिसके लियें कोई शब्द ही नहीं हैं । यह सत्य भी हैं की कब , किस जगह , कहाँ पर साँसे थम जायें और आत्मा इस देह को त्याग कर चली जायें । वितराग प्रभु सर्वज्ञ थे उनसे कूछ भी नहीं छुपा हुआ था लेकिन साँसे थमने का समय आया तो वो भी इसको परिवर्तित नहीं कर सके और असीम सूख परमानन्द को प्राप्त हों गये जहाँ आत्मा का कोई जन्म व मरण नहीं होता हैं । वर्तमान में सिमन्धर भगवान आदि तीर्थंकरों व केवली आदि का आयुष्य पूर्ण होने का या यों कहे उनकी साँसे थमने का समय निश्चित हैं उस निश्चित समय पर उनकी साँसे थम जायेंगी । हम उनकी तुलना में कही खड़े नहीं मिलते हैं परन्तु इस शाश्वत सत्य को हर समय स्वीकार कर भितर से सदकर्म की लौ हर समय प्रज्वलित करते हुए सदकर्म करते जायें जिससे साँस कभी भी थमे तो आत्मा हमारी मलिन न रहे यह समय न बोलकर आता हैं न किसी को मालूम पड़ता हैं हाँ साँसे थमने से पहले योग बन मालूम पड़ सकता हैं की साँसे थमने वाली हैं परन्तु वो भी ज़रूरी नहीं की हर किसी को यह मालूम पड़े । यह सत्य हैं की हर मानव को बात का वैराग्य थोड़ी देर रहता है लेकिन फिर वह वापस उसी राह चलता हैं या वही घोड़ा या वही मैदान में चल पड़ता है लेकिन हम जीवन का कितना ही गणित सीख ले ,पर-- सांसे घटते ही या सांसे थमना जीवन का अतिंम ₹ सत्य ₹शुन्यरहै । यह है जीवन का सही प्रकाश । भिक्षु जीवन सदा ,,सत्य सिराणे सदा राखतो त्यागी सारी सुविधांवा---वर्तमान में जीते हुए सदा सुखी रहना है । किसी क्षण तो सभी को मरना है, ही , तो हम जीवन रूपी नौका में सत्य के प्रकाश की राह के साथ में काम क्रोध मद लोभ आदि के अंधकार को हराने को लगातार प्रयत्नशील रहे ,यही सही से जीवन जीने की कला है इसलिए भय मुक्त रहकर भितर से अभय की साधना करना जीवन के सत्य का प्रकाश है ।

-प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

पाकिस्तान द्वारा ...

रामस्वरूप रावतसरे

खनिजों का भंडार, फिर भी बलूचिस्तान का अवाम गरीब, कौन खा रहा है यहां की मलाई?

बलूचिस्तान की जिस जमीन के नीचे सोना, तांबा और गैस का विशाल भंडार होने पर भी यहां के आधे लोग गरीबी रेखा के नीचे जीने को मजबूर हैं। पाकिस्तान का बलूचिस्तान प्रांत आज इसी बड़े विरोधाभास से जूझ रहा है। कड़े सैन्य अभियानों के बावजूद यहां असंतोष कम नहीं हो रहा, क्योंकि बुनियादी सुविधाओं और हक की पाकिस्तानी सरकार द्वारा अनदेखी बरसों से जारी है।

अफगान डायस्पोरा नेटवर्क में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की संघीय सरकार बलूचिस्तान को सिर्फ एक सुरक्षा समस्या मानती है, जबकि इसके पीछे की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वजहों को पूरी तरह से अनदेखा कर रही है। बलूचिस्तान में अस्थिरता की सबसे बड़ी वजह संसाधनों की अमीरी और स्थानीय लोगों की गरीबी के बीच का भारी अंतर है। स्थानीय लोगों में इसलिए आक्रोश है क्योंकि उनकी जमीन से होने वाली कमाई की मलाई पाकिस्तान और चीन खा रहा है, जबकि उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। जब बलोच जनता अधिकारों की मांग करती है, तो सरकार सामाजिक-आर्थिक समाधान निकालने के बजाय इसे सिर्फ एक सुरक्षा संकट मानकर सैन्य बल से उन्हें दबाने की कोशिश करती है, जिससे बलूचिस्तान में असंतोष और हिंसा लगातार बढ़ती जा रही है।

बलूचिस्तान के चागाई जिले में रेको डिक और सैंदक जैसी दुनिया की सबसे बड़ी खदानें मौजूद हैं। इन खदानों से मिलने वाला सोना और तांबा पाकिस्तान के लिए विदेशी मुद्रा कमाने का बड़ा जरिया है। बलूचिस्तान में अरबों टन कोयले के समृद्ध भंडार बताए जा रहे हैं। इस कोयले का इस्तेमाल पाकिस्तान के सीमेंट कारखानों, ईंट-भट्ठों और थर्मल पावर प्लांटों में बड़े पैमाने पर होता है। रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के कुल खनिज उत्पादन का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अकेले बलूचिस्तान से आता है। साथ ही विशाल लोह अयस्क के भंडार पाकिस्तान के स्टील उद्योग की नींव हैं। खनिजों के अलावा बलूचिस्तान का गहरे पानी वाला ग्वादर पोर्ट पाकिस्तान की सबसे बड़ी आर्थिक संपत्ति है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के जरिए चीन और मध्य एशिया से व्यापार इसी तट पर टिका है।

जानकारों के अनुसार बलूचिस्तान की सबसे बड़ी विरोधाभासी स्थिति यह है कि यह तांबा, सोना और प्राकृतिक गैस जैसे अमूल्य संसाधनों से भरा हुआ है, फिर भी यह पाकिस्तान का सबसे गरीब प्रांत है। यहां की लगभग 47 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर है। पूरे देश को ऊर्जा देने वाले इस क्षेत्र के अपने निवासियों के पास पीने का साफ पानी, बिजली और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं हैं।

अफगान डायस्पोरा नेटवर्क की रिपोर्ट में पाकिस्तान की ''सुरक्षा-केंद्रित'' नीति की आलोचना की गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तानी सरकार बलोचिस्तान के संकट को केवल आतंकवाद और सुरक्षा का मुद्दा मानती है, जबकि इसके पीछे की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वजहों जैसे नागरिक अधिकार, विकास और संसाधनों के निष्पक्ष बंटवारे को पूरी तरह अनदेखा कर देती है।

बलूचिस्तान में स्थित ''ग्वादर पोर्ट'' और ''सैंदक कॉपर-गोल्ड प्रोजेक्ट'' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से होने वाला आर्थिक मुनाफा स्थानीय बलोच लोगों को नहीं मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन संसाधनों और विकास परियोजनाओं का लाभ मुख्य रूप से चीन तथा पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांत के हितधारकों को मिल रहा है। बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह और सैंदक तांबा और सोना की खदान को चीन चलाता है। इनमें काम करने वाले भी बलूचिस्तान के नहीं है। इस प्रांत की अवाम रोजगार से भी महरूम है।

पाकिस्तान द्वारा समय समय पर चलाये जा रहे सैन्य अभियानों को लेकर जानकारों का कहना है कि सैन्य अभियान सिर्फ अल्पकालिक सफलता दे सकते हैं या उग्रवादियों को मार सकते हैं, लेकिन जब तक गरीबी, शिक्षा, रोजगार , खराब गवर्नेंस, अधिकारों के हनन और संसाधनों की लूट जैसे मूल मुद्दों का समाधान नहीं किया जाता, तब तक सैन्य बल के दम पर बलूच प्रांत में स्थायी शांति स्थापित नहीं की जा सकती। बलूचिस्तान में उग्रवाद और अलगाववाद के पीछे मुख्य वजह बुनियादी सुविधाओं का अभाव, मानवाधिकारों की अनदेखी और अपने ही संसाधनों से बेदखल किए जाने के चलते बलूचिस्तान के युवाओं में भारी आक्रोश है। रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व न मिलने की वजह से कई युवा हथियार उठा लेते हैं और विदेशी व बाहरी लोगों की मौजूदगी के खिलाफ विद्रोह करने लगते हैं। यही यहां हो रहा है।

हाल ही में ''बलोच रिपब्लिकन गार्ड्स'' (बीआरजी) ने नासिराबाद में ओच पावर प्लांट से पंजाब जाने वाले दो 220 केवी बिजली टावरों को विस्फोट से उड़ा दिया था। संगठन के प्रवक्ता दूस्तीन बलूच ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि जब तक बलूचिस्तान को स्वतंत्रता नहीं मिलती, तब तक सरकारी बुनियादी ढांचे पर ऐसे हमले जारी रहेंगे। यह घटना दर्शाती है कि सुरक्षा बलों के कड़े रुख के बावजूद प्रांत में उग्रवाद थम नहीं रहा है।

चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रहीं महिलाएं : मुख्यमंत्री

'2017 के पहले सपना देखने से भी डरती थी बेटी'

सौगात

हेमन्त कृष्ण

मुख्यमंत्री ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का किया शुभारंभ, 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं परिवहन निगम की बसों में कर सकेंगी निःशुल्क यात्रा

तमास संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन से ठीक पहले नारी शक्ति को कई सौगातें दीं। उन्होंने घोषणा की कि स्नातक में पढ़ने वाली 50 हजार बेटियों को अक्टूबर-नवंबर में स्कूटी दी जाएंगी। सीएम ने 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति यात्रा' योजना का शुभारंभ किया, जिसके तहत उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में 60 वर्ष व उससे अधिक आयु की प्रदेश की महिलाएं निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। सीएम ने रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में 27 से 29 अगस्त तक महिला व एक सहकर्मी को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा दिए जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं अब चूल्हे से चेक, चेक से कारोबार और कारोबार से टेक्नोलॉजी तक पहुंच रही हैं।

सीएम ने कहा कि 2017 के पहले 'देख सपाई-बिटिया घबराई' का नारा तत्कालीन गवर्नेंस मॉडल का नाम था, जब हर बेटी की सुरक्षा पर संकट था। सुरक्षा, सम्मान नहीं था तो स्वावलंबन कहां से होता। इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन, कमांड सिस्टम, सीसीटीवी नेटवर्क, महिला बीट सिस्टम, महिला हेल्पडेस्क भी नहीं थी। पेंशन व छात्रवृत्ति बिचौलिए तय करते थे। पुष्टाहार पर माफिया का कंट्रोल था।

यूपी में साढ़े 12 करोड़ आधी आबादी

इंदिरा प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में लगभग साढ़े 12 करोड़ आधी आबादी है। सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन व नेतृत्व की यात्रा में सहभागी है। हर बेटी-बहन-माता आत्मनिर्भर महसूस करे, यही हमारी नीति है। डबल इंजन सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसकी पढ़ाई, सुरक्षा, रोजगार, आय और उसके सपनों की उड़ान को ईकोसिस्टम से जोड़ने का काम किया है। सीएम ने बहनों से अपील की कि रक्षाबंधन पर अपने भाई के साथ ही सैनिकों, पूर्व सैनिकों व पुलिस के जवानों को रक्षासूत्र बांधकर सुरक्षा के ईकोसिस्टम को मजबूती प्रदान करने में योगदान दें।

- 2017 से पहले यूपी की हर योजना पर मंडराती थी कमीशनखोरी की 'काली छाया'- मुख्यमंत्री
- हम 50 फीसदी तक पहुंचाएंगे वीमेन पार्टिसिपेशनः सीएम

महिला स्वावलंबन की मिसाल हैं 'लोकमाता'

सीएम ने कहा कि देश जब मुगल आक्रांताओं की चपेट में था, उस समय लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने सुशासन, आध्यात्मिक/सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व महिला स्वावलंबन का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया था। काशी विश्वनाथ, सोमनाथ समेत देश में सैकड़ों मंदिर का पुनरुद्धार लोकमाता ने किया था। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, झांसी सभी जनपदों में अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। प्रत्येक हॉस्टल में 500 कामकाजी महिलाओं के निःशुल्क रहने की व्यवस्था रहेगी।

सरकार ने आधी आबादी का प्रतिनिधित्व बढ़ाया

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी जी के कारण पहली बार आधी आबादी को शासन की योजनाओं से जोड़ने के लिए व्यापक कार्ययोजना बनी। जीवन के हर पड़ाव पर सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन की गारंटी दी है। सरकार का हर निर्णय, योजना व बजट इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित है। आधी आबादी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिले, सरकार ने इसे सुनिश्चित किया।

केसीसी लोन में रिश्वत मांगना अफसर को पड़ा भारी

दो बैंक अधिकारियों समेत 3 दोषी, 4 से 5 साल की सजा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) लोन से जुड़े रिश्वत के दो मामलों में लखनऊ की CBI अदालत ने दो बैंक अधिकारियों समेत तीन आरोपियों को दोषी ठहराया है। दोनों प्रकरणों में CBI ने ट्रैप कार्रवाई कर आरोपियों को रिश्वत लेते पकड़ा था। अदालत ने 25 अगस्त 2026 को फैसला सुनाते हुए आरोपियों को चार से पांच साल की कठोर कारावास की सजा और जुर्माना लगाया।

पहला मामला सुल्तानपुर के हरिहरपुर स्थित बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक की शाखा का है। तत्कालीन ब्रांच मैनेजर राकेश चंद्र ठाकुर पर 4.25 लाख रुपए के KCC लोन की पहली किस्त जारी करने के बदले किसान से 6 हजार रुपए मांगने का आरोप था।

शिकायत के आधार पर CBI ने 12 मार्च 2018 को केस दर्ज किया। ट्रैप के दौरान ठाकुर को 6 हजार रुपए लेते पकड़ा गया। जांच के बाद 10 मई 2018 को चार्जशीट दाखिल हुई। 21 दिसंबर 2020 को आरोप तय किए गए। सुनवाई पूरी होने पर स्पेशल जज, एंटी करप्शन, CBI कोर्ट नंबर-6, लखनऊ ने उन्हें 5 साल की कठोर कारावास और 25 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

दूसरा मामला महाराजगंज के परतावल बाजार स्थित पूर्वांचल बैंक की शाखा का है। तत्कालीन असिस्टेंट मैनेजर रवि कुमार गुप्ता पर KCC लोन की प्रक्रिया पूरी कराने के बदले 15 हजार रुपए मांगने का आरोप था।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में बंद मकान से 34.49 लाख के जेवर चोरी

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाकर करीब 34.49 लाख रुपए के सोने के जेवर चोरी कर लिए। मकान मालकिन पिछले तीन महीने से अपने बेटे के पास बेंगलुरु में रह रही थीं। मंगलवार सुबह उन्हें फोन पर घर में चोरी की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने अपने भतीजे अर्पित शुक्ला को मकान पर भेजा।

भारतीय युवा जनशक्ति में नियुक्ति

लखनऊ। भारतीय युवा जनशक्ति संगठन ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अपने संगठन का विस्तार किया है। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा मोनी सिंह ने चेतना शुक्ला को राष्ट्रीय प्रवक्ता, सुमन त्रिवेदी को प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ (यूपी) और प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा (बिहार) के पद पर नियुक्त किया है। इस विस्तार कार्य में युवाओं को जोड़कर संगठन को अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया जा रहा है। लखनऊ में हुई बैठक में मोनी सिंह ने बताया कि संगठन आगामी 2027 के चुनाव की तैयारी कर रहा है और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को मैदान में उतारने का संकल्प लिया गया है।

चीनी के बढ़ते दामों पर सपा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

लखनऊ। बढ़ती महंगाई और चीनी के लगातार बढ़ रहे दामों के विरोध में समाजवादी पार्टी के युवजन सभा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को हजरतगंज चौराहे पर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई पर रोक लगाने और चीनी के बढ़े दामों को कम करने की मांग की। रोजमर्रा की जरूरत की चीजों के दाम बढ़ने से लोगों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है।

3 बदमाशों पर गैंगस्टर एक्ट की हुई कार्रवाई

2 साढ़ू गैंग बनाकर मांगते थे रंगदारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ की इंदिरानगर पुलिस ने आपराधिक गतिविधियों से जुड़े राज जायसवाल समेत 3 बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की है। इंस्पेक्टर अजय नारायण सिंह की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

इंस्पेक्टर के अनुसार, आरोपियों का संगठित गिरोह है, जो आर्थिक और भौतिक लाभ के लिए लोगों को धमकाने, रंगदारी वसूलने और मारपीट समेत अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहा है। इस गैंग के कारण इलाके में भय का माहौल बना और लोग इनके खिलाफ गवाही देने से भी डरते हैं।

गैंग का सरगना राज जायसवाल (37) है। वह मूलरूप से बहराइच के मोतीपुर क्षेत्र का रहने वाला है। मौजूदा समय में इंदिरानगर के जरहरा शीतल नगर फेज-2 और तकरोही स्थित आदर्श कॉलोनी में रहता था। खुद को पत्रकार बताता था। गिरोह में जरहरा रसूलपुर सादात, इंदिरानगर निवासी राजा उर्फ अनुराग (26) और सिधौली, सीतापुर निवासी मनीष जायसवाल (42) शामिल हैं। मनीष रिश्ते में राज का साढ़ू लगता है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, राज जायसवाल और उसके गिरोह के सदस्यों के खिलाफ इंदिरानगर थाने में साल 2018 से लगातार मुकदमे दर्ज हैं।

आंधी-बारिश में भी रोशन उत्तर प्रदेश

आंधी-बारिश के बीच यूपीपीसीएल की टीमें युद्धस्तर पर कर रहीं फॉल्ट दूर

- फॉल्ट पर तत्काल एक्शन, दिन-रात मोर्चे पर डटे बिजलीकर्मी
- स्थानीय फॉल्ट कम से कम समय में ठीक करने के अधिकारियों को निर्देश
- त्योहारों के मद्देनजर बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने पर विशेष फोकस

तमसा संकेत, संवाददाता

> बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए विभागीय कर्मचारी केवल दिन में ही नहीं, बल्कि रात्रिकालीन ड्यूटी के दौरान भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ मेंटेनेंस कार्यों में जुटे हैं। रात के समय नियमित रखरखाव और जरूरी तकनीकी कार्यों के जरिए बिजली नेटवर्क को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आंधी और बारिश के बीच बिजली आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए योगी सरकार पूरी सक्रियता के साथ जुटी है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मौसम खराब होने से कहीं-कहीं बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई, लेकिन विभागीय टीमें तत्काल मौके पर पहुंचकर फॉल्ट दूर करने और आपूर्ति बहाल करने में जुटी हैं। बिजलीकर्मी दिन-रात फील्ड में रहकर हर चुनौती का सामना कर रहे हैं। यही वजह है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद प्रदेश में बिजली व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने की लगातार कोशिश की जा रही है।

आंधी और तेज बारिश के कारण बिजली के तार टूटने, पोल प्रभावित होने या अन्य तकनीकी फॉल्ट आने पर बिजली विभाग की टीमें युद्धस्तर पर काम कर रही हैं। विभाग की ओर से उपभोक्ताओं से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा गया है कि जहां भी आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहां टीमों को भेजकर जल्द से जल्द बिजली बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा विभिन्न जनपदों के बिजली उपकेंद्रों का निरीक्षण कर कर्मचारियों को निर्बाध और सुरक्षित बिजली आपूर्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

सुविधा नंगे या गीले पैर विद्युत उपकरणों से रहें दूरके साथ सुरक्षा भी

यूपीपीसीएल के वितरण निदेशक ज्ञानेंद्र धर द्विवेदी ने बारिश और नमी के दौरान लोगों से विद्युत सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नंगे या गीले पैर विद्युत उपकरणों और तंत्र से दूर रहें। बारिश के दौरान पार्कों या विद्युतीकृत क्षेत्रों में जमा पानी में न जाएं और लोहे की जालियों व बाउंड्री से दूरी बनाए रखें। घरों में भी कूलर, फ्रिज, स्विच बोर्ड समेत अन्य उपकरणों को जूते-चप्पल पहने बिना न छुएं।

योगी सरकार का फोकस, सुविधा के साथ सुरक्षा भी

योगी सरकार में ऊर्जा व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ उपभोक्ताओं की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जा रही है। बिजली विभाग की टीमें क्षेत्र में नियमित निरीक्षण और मेंटेनेंस कर संभावित खतरों को दूर करने में लगी हैं। यूपीपीसीएल ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि अगर कहीं बिजली का तार टूटा हुआ दिखाई दे या करंट लीकेज की आशंका हो तो उसके पास जाने अथवा उसे छूने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल नजदीकी बिजली कार्यालय या टोल फ्री नंबर 1912 पर सूचना दें।

सीएम योगी करेंगे स्टार्टअप इकोसिस्टम इवेंट को संबोधित, 7 स्टार्टअप्स का होगा सम्मान

लोक भवन में जुटेंगे यूपी के स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े प्रमुख हितधारक

तमसा संकेत, संवाददाता

स्टार्टअप नीति-2026 का होगा विमोचन, यूपी स्टार्टअप मिशन वेबसाइट भी होगी लॉन्च

यू-हब पर भी होगा प्रस्तुतीकरण, लखनऊ-नोएडा में बनेंगे डीप-टेक हब

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप इकोसिस्टम इवेंट 2026 आयोजित किया जाएगा। योगी सरकार की ओर से प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, स्टार्टअप इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में स्टार्टअप्स, इनक्यूबेटर्स और इकोसिस्टम से जुड़े विभिन्न हितधारक शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य संबोधन देंगे।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन और यूपी स्टार्टअप मिशन वेबसाइट का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही यूपी स्टार्टअप मिशन और यू-हब पर वीडियो प्रस्तुति भी होगी। भारत इनोवेट्स में चयनित उत्तर प्रदेश के सात स्टार्टअप्स को सम्मानित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 के साथ नए प्रोत्साहनों और संस्थागत व्यवस्था का विस्तार किया है।

नई नीति में कई तरह के लाभ

नई नीति के तहत स्टार्टअप्स को 20 हजार रुपये प्रतिमाह निर्वाह भत्ता, 10 लाख रुपये तक प्रोटोटाइप अनुदान और 15 लाख रुपये तक सीड अनुदान मिलेगा। निवेश के अनुरूप 5 करोड़ रुपये तक समतुल्य अनुदान और 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 4 प्रतिशत ब्याज सहायता का भी प्रावधान है। डीप-टेक स्टार्टअप्स के लिए 40 करोड़ रुपये तक दीर्घकालिक पूंजी की व्यवस्था की गई है। लखनऊ और नोएडा में डीप-टेक यू-हब स्थापित किए जाएंगे।

9 इनक्यूबेटर्स को दी जाएगी प्रोत्साहन राशि

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश नीति के तहत 107 स्टार्टअप्स को विभिन्न प्रोत्साहनों का वितरण किया जाएगा। इसके अलावा नौ इनक्यूबेटर्स को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी और 12 नए इनक्यूबेटर्स को मान्यता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम की शुरुआत आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार का स्वागत उद्बोधन और विभागीय मंत्री सुनील कुमार शर्मा का विशेष संबोधन होगा। मुख्यमंत्री योगी का मुख्य संबोधन भी प्रस्तावित है। कार्यक्रम में प्रदेश के स्टार्टअप इकोसिस्टम के मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर्स, विभिन्न समितियों के सदस्य, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रतिनिधि और सिडबी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

भगवती सिंह की 94वीं जयंती पर अखिलेश यादव ने किया नमन

समाजवादी पार्टी मुख्यालय में सादगी से मनाई गई जयंती

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व मंत्री श्री भगवती सिंह की 94वीं जयंती बुधवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में सादगी के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने श्री भगवती सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अखिलेश यादव ने भगवती सिंह के संघर्षपूर्ण राजनीतिक जीवन को याद करते हुए कहा कि वह जीवनभर समाजवादी विचारधारा से जुड़े रहे। डॉ. राममनोहर लोहिया के आह्वान पर उन्होंने कई आंदोलनों में सक्रिय भागीदारी की और इसके लिए जेल की यातनाएं भी सहीं। अखिलेश यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के संकल्प के साथ समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर वरिष्ठ समाजवादी नेताओं के सम्मान में कार्य किए जाएंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि एवं पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, अरविन्द सिंह गोप, पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह, पूर्व विधायक महेन्द्र कुमार सिंह झीन बाबू, गोमती यादव, राजेन्द्र यादव, पूर्व एमएलसी शशांक यादव, जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत और डॉ. फिदा हुसेन अंसारी समेत कई नेताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के संचालक देवी बख्श सिंह एडवोकेट सहित विजय बहादुर यादव, सीएल वर्मा, लवकुश सिंह, ऊषा सेन, आईपी सिंह, राम सिंह राणा, सहजराम यादव एडवोकेट, रिंकी सिंह, ओम नारायण त्रिपाठी, विदित, राजीव यादव और किशन समेत बड़ी संख्या में पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बढ़ावा : पीएम एफएमई योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 16 हजार यूनिट स्थापित कर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम

महिलाओं को कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटरों से जोड़ा जाए : केशव प्रसाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को 9,000 नई यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति के लिए जनपदीय रिसोर्स पर्सन, जिला उद्यान अधिकारियों, प्रधानाचार्य/खाद्य प्रसंस्करण अधिकारियों तथा बैंकों के प्रतिनिधियों को अधिक से अधिक आवेदन कराने और ऋण स्वीकृति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना के माध्यम से महिलाओं की उद्यमिता और सहभागिता को और अधिक बढ़ाने पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित करने के साथ ही उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए प्रदेश में स्थापित कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटरों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन श्री बी.एल. मीणा ने बताया कि उप मुख्यमंत्री जी के निर्देशों के क्रम में प्रदेश में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना के क्रियान्वयन को और प्रभावी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा पीएम एफएमई योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को अब तक कुल 31,335 यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष लगभग 27 हजार यूनिटों के लिए ऋण स्वीकृत हो चुका है। इन यूनिटों की औसत लागत लगभग 4 लाख रुपये है।

उन्होंने बताया कि पीएम एफएमई योजना के अंतर्गत पिछले दो वर्षों में प्रदेश में लगभग 16 हजार यूनिट स्थापित की गई हैं। इस उपलब्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने बताया कि हाल में बैंकों की समीक्षा के दौरान पाया गया कि विभिन्न बैंकों के स्तर पर 7 हजार से अधिक आवेदन ऋण स्वीकृति के लिए लंबित हैं। इनमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक तथा इंडियन बैंक में लंबित आवेदन शामिल हैं।

> मीणा ने बताया कि स्टार्टअप आधारित नवीन तकनीक के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने तथा प्रदेश की स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के 14 स्थानों—मेरठ, सहारनपुर, आगरा, बरेली, झांसी, लखनऊ, कौशांबी, गोरखपुर, अयोध्या, बस्ती, वाराणसी, मिर्जापुर, अलीगढ़ तथा कानपुर देहात में कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों में दुग्ध, बेकरी, पेठा, नमकीन, मस्टर्ड ऑयल, मैंगो, हल्दी, आरटीई, तुलसी एवं अमरूद प्रसंस्करण सहित विभिन्न उत्पादों पर आधारित 46 प्रोसेसिंग लाइनों की स्थापना की गई है।

वकीलों के अवैध चैंबरों पर नगर निगम ने नोटिस चिपकाया

लखनऊ। लखनऊ के पुराने हाईकोर्ट परिसर में अवैध कब्जों और वकीलों के चैंबरों को हटाने की सेकेंड राउंड प्रक्रिया को लेकर नगर निगम की टीम ने मौके पर नोटिस चस्पा कर दिए हैं। अवैध निर्माण और चैंबरों पर पहले ही लाल निशान लगाए जा चुके हैं। नगर निगम ने कब्जाधारकों को 29 अगस्त तक खुद अतिक्रमण हटाने की मोहलत दी है। इसके बाद 30 अगस्त को नगर निगम का दस्ता मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करेगा। अभियान के दौरान अवैध चैंबर और अस्थायी निर्माण बुलडोजर से हटाए जाएंगे। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम ने पुलिस बल की मांग की है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पिछले अभियान के दौरान हुए विरोध को देखते हुए इस बार प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

साइबर ठगों ने 5 लोगों से 36.95 लाख ठगे

लखनऊ में मोबाइल हैक कर अकाउंट से पैसे निकाले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में साइबर जालसाजों अलग-अलग तरीकों से लोगों को निशाना बनाकर 36.95 लाख ठग लिए। कहीं जोमाटो की कस्टमर केयर तलाशने के दौरान ठगी हुई तो कहीं ग्रीन गैस अधिकारी बनकर खाते से लाखों रुपए निकाल लिए गए। किसी का मोबाइल हैक कर बैंक खाते से रकम उड़ाई गई। पुलिस ने अलग-अलग थानों में पांच मुकदमें दर्ज किए हैं।

हुसैनगंज के मुरलीनगर निवासी गुलशन मेहता ने पुलिस को बताया कि 9 अगस्त को वह जोमाटो की शिकायत दर्ज कराने के लिए गूगल पर कस्टमर केयर नंबर तलाश रहे थे। कॉल करने पर राहुल नाम के व्यक्ति से बात हुई।

उसने शिकायत दर्ज कराने के नाम पर 5 रुपए का पेमेंट कराया। इसके बाद 10 अगस्त की सुबह इंटरनेट बैंकिंग से स्टेटमेंट चेक किया तो पीएनबी एकाउंट से 5-5 लाख रुपए के दो ट्रांजेक्शन मिले। उनके मुताबिक दोनों ट्रांजेक्शन उनकी जानकारी के बिना हुए।

साउथ सिटी निवासी भगवंत पांडेय के मुताबिक 17 अगस्त को उन्हें ग्रीन गैस कनेक्शन बंद होने का संदेश मिला। मैसेज में दिए नंबर पर संपर्क करने पर व्यक्ति ने खुद को ग्रीन गैस लिमिटेड का अधिकारी बताया। सीआरएन अपडेट करने के नाम पर 13 रुपए का भुगतान करने को कहा गया। भुगतान के प्रयास के दौरान ठग ने एक स्क्रीनशॉट भेजकर कनेक्शन वेरिफिकेशन का झांसा दिया।

7 लाख फॉलोअर्स वाली यूट्यूबर की मौत

दुर्घटना

ट्रक में कार घुसी, मां ने भी दम तोड़ा, परिवार संग उज्जैन जा रही थी

हाथरस, एजेंसी

यूपी में हाथरस की रहने वाली 23 साल की यू-ट्यूबर छवि वार्ष्णेय और उनकी मां की सड़क हादसे में मौत हो गई। छवि सोमवार देर रात परिवार के साथ कार से उज्जैन महाकाल के दर्शन के लिए निकली थीं। मंगलवार सुबह करीब 6 बजे मध्य प्रदेश के आगर मालवा में उनकी कार ट्रक से टकरा गई।

कार में कुल 5 लोग सवार थे। हादसे में छवि और उनकी मां ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पिता, एक रिश्तेदार और ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हैं। तीनों को बड़ौद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छवि के यूट्यूब चैनल पर 7 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थे। वह लाइफ-स्टाइल और मोटिवेशन से जुड़े वीडियो बनाती थीं। हाथरस जंक्शन

यूट्यूबर छवि वार्ष्णेय और उनकी मां कार से उज्जैन जा रही थीं। रास्ते में हुए हादसे में दोनों की मौत हो गई।

क्षेत्र के महौखास गांव में श्यामलाल (54) किराना स्टोर चलाते हैं। परिवार में पत्नी सारिका (50) के अलावा बेटी छवि वार्ष्णेय (23) और एक बेटा कान्हा (26) है। सोमवार रात श्यामलाल, बेटी छवि, पत्नी सारिका, रिश्तेदार सूरजपाल और ड्राइवर सचिन के साथ उज्जैन दर्शन

ड्राइवर कार पर कंट्रोल खो बैठा

एनएचएआई की एंबुलेंस से छवि और उनकी मां सारिका को सीएचसी बड़ौद लाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ विजेंद्र चूड़िहार ने मां-बेटी को मृत घोषित कर दिया। वहीं पिता श्यामलाल, समधी सूरजापाल और ड्राइवर सचिन गंभीर रूप से घायल हैं। उनका प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बड़ौद पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंची। आसपास के लोगों से मामले की जानकारी ली। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, अर्टिगा चालक कार को संभाल नहीं सका। कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद कुछ देर तक फोरलेन पर अफरा-तफरी रही। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करने जा रहे थे। मंगलवार सुबह 6 बजे उज्जैन-गरोठ फोरलेन पर रामाखेड़ी गांव के पास आगे चल रहे ट्रक में उनकी कार जा घुसी। इस घटना में कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही एंबुलेंस पायलट संदीप गोस्वामी और अमरीश मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला।

कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

यूट्यूब पर 7 लाख से अधिक फॉलोवर्स

छवि के यूट्यूब चैनल पर 7 लाख से अधिक सब्सक्राइबर थे। वहीं इंस्टाग्राम पर भी उनके 1 लाख से अधिक फॉलोअर्स थे। सोशल मीडिया पर छवि के काम को परिवार का भी पूरा सहयोग मिला। परिवार ने छवि को आगे बढ़ने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया।

बाबा नीब करौरी की पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

फिरोजाबाद । देश और दुनिया में चर्चित बाबा नीब करौरी की प्रॉपर्टी को लेकर विवाद सामने आया है। बाबा की जन्मस्थली फिरोजाबाद के टूंडला स्थित अकबरपुर गांव में उनकी पैतृक संपत्ति और मंदिर के चंदे को बाबा की छह पोतियों ने डीएम संतोष कुमार शर्मा को शिकायती पत्र दिया।

पत्र में श्री ठाकुर हनुमान जी ट्रस्ट पर बाबा के पैतृक घर, मंदिर और डाक बंगलिया पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ये संपत्तियां ट्रस्ट को दान नहीं की गई हैं। डीएम ने मंगलवार को एडीएम न्यायिक अरविंद कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। कमेटी पूरे मामले की जांच कर डीएम को रिपोर्ट सौंपेगी।

बाबा नीम करौरी उर्फ लक्ष्मी नारायण शर्मा का जन्म फिरोजाबाद के अकबरपुर गांव में एक संपन्न

फिरोजाबाद में दामाद बोले- ट्रस्ट ने मालिकाना हक समझ लिया, हमने पैतृक घर, मंदिर-डाक बंगलिया दान नहीं की

परिवार में हुआ था। बाबा के परिवार में दो बेटे और एक बेटी थी। बड़े बेटे अनेक शर्मा, छोटे बेटे धर्म नारायण शर्मा और बेटी गिरिजा देवी।

परिवार के मुताबिक, बड़े बेटे अनेक शर्मा के एक बेटा और एक बेटी हैं। वहीं छोटे बेटे धर्म नारायण शर्मा की छह बेटियां हैं। इन्हीं छह पोतियों की ओर से अब पैतृक संपत्ति को लेकर प्रशासन से शिकायत की गई है।

फास्ट न्यूज

कानपुर में गंगा का जलस्तर बढ़ा

कानपुर। लगातार हो रही बारिश के चलते कानपुर में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। बढ़ते पानी और तेज बहाव को देखते हुए गंगा बैराज के सभी 30 गेट खोल दिए गए हैं। बुधवार को बैराज के अपस्ट्रीम में गंगा का जलस्तर 114.22 मीटर और डाउनस्ट्रीम में 114.07 मीटर दर्ज किया गया। वहीं करीब 5 लाख क्यूसेक पानी कानपुर से प्रयागराज की ओर डिस्चार्ज किया गया। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी किनारे और घाटों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

दिल्ली-हावड़ा ट्रैक पर 10 दिन बाद मिला युवक का शव

कानपुर । काम के सिलसिले में दिल्ली जाने के लिए निकले 26 वर्षीय युवक का शव 10 दिन बाद दादा नगर रेलवे क्रासिंग के पास पड़ा मिला। रेलवे ट्रैक किनारे शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची गोविंद नगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के जेब से मिले आधार कार्ड से शव की शिनाख्त हुई।

झारखंड, धनबाद तातरी तोपचाची निवासी भगवान दास साव ने बताया कि उनका 26 वर्षीय बेटा वरुण कुमार दिल्ली में काम करता था।

आगरा में किशोरी से दुष्कर्म, वीडियो भी बनाया

आगरा । आगरा में एक किशोरी के साथ दो युवकों ने गेस्ट हाउस में दुष्कर्म किया। उसका वीडियो भी बनाया। बाद में उसे ब्लैकमेल करके दोबारा बुलाने लगे। बात नहीं मानी तो किशोरी का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया। परिजनों की शिकायत पर थाना जगदीशपुरा में आरोपी युवकों के खिलाफ FIR दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

आगामी रक्षाबंधन त्यौहार के लिए बस ऑपरेटर्स के साथ बैठक एवं दिशा निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा । एआरटीओ महोबा दयाशंकर के द्वारा उपस्थित सभी को बताया कि रक्षाबंधन त्योहार के शुभ अवसर पर वाहन चलाते समय अत्यधिक सावधानी बरतने, शराब पीकर वाहन न चलाने, बस के अंदर अश्लील गाने न बजाने, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार न करने और किराया न लेने जैसी हिदायत दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि शासन के द्वारा जारी ज़रूरी गाइडलाइन का पालन न करते पाए जाने अथवा किसी भी प्रकार से गड़बड़ी पाए जाने पर सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बांदा में नाले में बहे 4 किसान, 3 की मौत

चाची-भतीजे समेत 2 महिलाओं ने दम तोड़ा, एक ने तैरकर बचाई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

बबेरू, बांदा। बांदा के मरका थाना क्षेत्र के गुजैनी गांव में मंगलवार शाम बारिश के बाद उफनाए बरसाती नाले को पार करते समय चार किसान तेज बहाव की चपेट में आ गए। हादसे में चाची-भतीजे समेत तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि एक किसान किसी तरह तैरकर बाहर निकल आया। सूचना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया और तीनों के शव बरामद किए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए बांदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया।

हादसे में गुजैनी निवासी कोमल यादव (27) पुत्र छोटेलाल, कुसुमरानी (30) पत्नी रामखेलावन और सिया दुलारी (50) पत्नी फूलचंद्र की मौत हुई है। वहीं रामखेलावन (35) पुत्र सुखलाल ने तैरकर अपनी जान बचा ली। मृतक

अधिकारियों ने शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। बाद में शवों को बांदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मौके पर फिलहाल शांति व्यवस्था सामान्य है।

घर में महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल है।

कोमल के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा

कोमल यादव की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कोमल अपने पीछे पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। खेती-किसानी से परिवार की आजीविका चलती थी। कुसुमरानी अपने पति रामखेलावन और दो बेटों के साथ गांव में रहकर खेती-किसानी करती थीं।

कोमल और कुसुमरानी आपस में चाची-भतीजे थे। तीनों मृतक खेती-किसानी का काम करते थे।

नाले पर पुल नहीं, बारिश में जान जोखिम में डालकर निकलते हैं ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि गुजैनी गांव का बहा नाला पारा और भाटी गांवों को जोड़ने वाले रास्ते में पड़ता है। इस नाले पर आज तक पक्का रास्ता या पुल नहीं बनाया गया है। सामान्य दिनों में ग्रामीण इसी रास्ते से खेतों और आसपास के गांवों में आते-जाते हैं, लेकिन बारिश के दौरान नाले में पानी बढ़ने पर यह रास्ता बेहद खतरनाक हो जाता है।

ग्रामीणों के अनुसार, चारों किसान मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे अपने धान के खेतों में खाद डालने गए थे।

पुलिस-प्रशासन ने चलाया रेस्क्यू अभियान

घटना की सूचना मिलते ही मरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर नाले में रेस्क्यू अभियान शुरू किया। तेज बहाव और अंधेरा होने के कारण तलाश में काफी परेशानी आई। काफी मशक्कत के बाद तीनों के शव पानी से बाहर निकाले गए। क्षेत्राधिकारी कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि 25 अगस्त की शाम ग्राम गुजैनी से सूचना मिली थी कि बरसाती नाला पार करते समय लोग तेज बहाव में बह गए हैं।

बच्चों से पोस्टर पर यूरिन कराई, पैगम्बर मोहम्मद पर कमेंट किया था

मुस्लिम एक्टिविस्ट नाजिया खान को गला काटने की धमकी मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया इलाही खान को गला काटने की धमकी दी गई है। नाजिया ने मंगलवार की रात गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में केस दर्ज कराया है।

नाजिया का आरोप है कि शाहिल अहमद नाम के व्यक्ति ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उन्हें गालियां दीं। उन्होंने ने यह भी आरोप लगाया कि शाहिल ने उनके पोस्टर पर बच्चों से यूरिन कराई। इसका वीडियो बनाकर उसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़ीं नाजिया एक्टिविस्ट हैं। वह मूलरूप से कोलकाता की रहने वाली हैं और इस्लाम के रीति-रिवाजों पर कमेंट करती हैं।

नाजिया इलाही खान सुप्रीम कोर्ट में वकालत और महिला अधिकारों से जुड़े मामलों को लेकर चर्चा में रही हैं। उन्होंने राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वह पहले तृणमूल कांग्रेस की प्रवक्ता रहीं और बाद में भाजपा में शामिल हो गईं।

उन्होंने मामले की शिकायत उत्तर प्रदेश के गृह सचिव संजय प्रसाद और ATS अधिकारियों से भी की है। नाजिया इलाही की शिकायत के मुताबिक, शाहिल अहमद नाम की इंस्टाग्राम आईडी से उनकी तस्वीर पर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। उन्हें गर्दन काटने की धमकी भी दी गई। आरोपी ने नाबालिग बच्चों के जरिए उन्हें परेशान करने और हिंसा के लिए उकसाने जैसी बातें कहीं। आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी तस्वीर वाले पोस्टर के साथ एक आपत्तिजनक वीडियो भी शेयर किया। नाजिया ने शिकायत में अपनी जान को खतरा बताया और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने धमकी और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर इंस्टाग्राम अकाउंट की जांच शुरू कर दी है।

नाजिया ने 2 महीने पहले पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी की थी

नाजिया खान ने जून, 2026 में एक पॉडकास्ट के दौरान मुस्लिम समाज, मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों, पैगंबर हजरत मोहम्मद और हजरत आयशा से जुड़े विषयों पर टिप्पणी की थी। उनके बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद कई मुस्लिम संगठनों और लोगों ने नाराजगी जताई थी। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि नाजिया ने जानबूझकर मुस्लिम समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियां कीं। इस मामले में 25 अगस्त को नाजिया के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई थी।

सौहार्दपूर्ण संपन्न हुआ रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद का चुनाव

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा । दिनांक 25.08.2026 को उ०प्र० राज्य सड़क परिवहन निगम महोबा डिपो बस स्टेशन प्रांगण में रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के क्षेत्रीय (मण्डलीय) समिति चित्रकूटधाम क्षेत्र के चुनाव श्री प्रबल प्रताप सिंह उरई एवं श्री वेद रतन जी मुख्यालय लखनऊ चुनाव अधिकारी की देखरेख में सम्पन्न हुये। चुनाव कार्यक्रम में परिषद के संरक्षक श्री सुनील कुमार शर्मा, नोडल अधिकारी श्री हरिश्चन्द्र कुशवाहा, श्री अ० जब्बार खां वरिष्ठ कार्यकर्ता, श्री जे०पी० पाण्डेय वरिष्ठ कार्यकर्ता मुख्य अतिथि के रूप में तथा क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री जी०एस० त्रिवेदी एवं श्री रामनरेश साहू क्षेत्रीय मंत्री के साथ-साथ चित्रकूटधाम क्षेत्र की समस्त कार्यकारियों के शाखा अध्यक्ष एवं मंत्री तथा सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहें। चुनाव कार्यक्रम में आम सहमति से श्री जी०एस० त्रिवेदी को क्षेत्रीय अध्यक्ष, श्री रामनरेश साहू को क्षेत्रीय मंत्री, श्री संजय गुप्ता को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं श्री आदेश यादव को प्रान्तीय प्रतिनिधि चुना गया। कार्यक्रम में उक्त के अतिरिक्त श्री अनादिवीर सिंह, श्री सुनील कुमार, श्री सुनील तिवारी, श्री दिलीप तिवारी, श्री आदिल खां, श्री देवेन्द्र तिवारी, श्री अवधेश कुशवाहा, श्री सुधीर कुमार, श्रीमती अनीता, श्रीमती रुखशाना, श्रीमती विनीता राजपूत, कु०रोशनी, श्रीमती अंजना, श्री सुमत कुमार, श्री सुशील कुमार, श्री प्रेमलाल, श्री जीतू, श्री गोविन्ददास श्री वशीररहमान, श्री विजय नारायण के साथ-साथ लगभग 100 से अधिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

चुनाव कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पादित हुये।

पृष्ठ 01 का शेष...

नेपाल में जलप्रलय...

बाद में यह रुकावट टूट गई और जमा पानी तेज रफ्तार से नीचे बहा, जिससे अचानक फ्लैश फ्लड आ गई। ग्लेशियल झील फटने (GLOF) की संभावना की भी जांच की जा रही है। उस समय रसुवा में तेज बारिश नहीं हुई थी।

हालांकि इसकी वजह भूकंप भी बताई जा रही है। सुबह 8:37 बजे 4.4 तीव्रता का भूकंप आया था। बाढ़ भी इसी समय के आसपास आई, इसलिए इसके संबंध की जांच हो रही है।

भीषण बाढ़ को हवा से देखने वाले एक हेलीकॉप्टर पायलट ने बताया कि उसने 5 से 6 मीटर तक ऊंची पानी की लहरें देखीं।

पायलट अमन बुधाथोकी ने CNN को बताया कि लैंडिंग से करीब पांच मिनट पहले उन्हें नदी से धूल उठती दिखाई दी। शुरुआत में उन्हें लगा कि शायद भूस्खलन हुआ है। उन्होंने यह भी अंदाजा लगाया कि सड़क बनाने के लिए सेना विस्फोट कर रही होगी।

लेकिन कुछ ही सेकंड में उन्हें समझ आया कि यह तेज बाढ़ का पानी है। उन्होंने बताया कि गहरे रंग का पानी मलबे के साथ तेज गति से नीचे की ओर बह रहा था।

उन्होंने कहा कि यह बेहद डरावना दृश्य था। नुकसान का अंदाजा लगाने के लिए उन्होंने कुछ समय तक बाढ़ के बहाव का पीछा भी किया। पायलट ने कहा कि उन्होंने इससे पहले कभी प्रकृति की ताकत को इस तरह सामने आते नहीं देखा था।

देश कोई धर्मशाला...

इसका श्रेय सभी राज्यों की पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिसबलों को जाता है।

अगर पिछली सरकारों ने नशीले पदार्थों, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर की समस्याओं को गंभीर होने से पहले समझ लिया होता, तो देश को दशकों तक इनका खामियाजा नहीं भुगतना पड़ता।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (PFI) के पूरे कैडर को खत्म करना और एक ही रात में उस पर प्रतिबंध लगाना केंद्र और राज्यों के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। सात साल में 274 भगोड़े विदेश से लाए गए- 2019 से 2026 के बीच करीब 274 भगोड़ों को विदेश से वापस लाया गया है। सभी राज्य लक्ष्य तय करें कि विदेश में बैठे भगोड़ों को देश के कानून के दायरे में लाया जाए। मोदी सरकार ने मल्टी एजेंसी सेंटर को भी अपग्रेड किया है, ताकि यह कई स्तरों पर नतीजे देने वाला प्लेटफॉर्म बन सके।

एक साल में नए कानून 100% लागू होंगे- एक साल में तीनों नए कानून 100 फीसदी लागू होंगे। इससे आपराधिक मामलों का निपटारा सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में हो सकेगा और सजा की दर 25 फीसदी बढ़ेगी। NSS फोरम को 15 से 20 साल आगे की सुरक्षा चुनौतियों का अनुमान लगाकर उन्हें बड़े खतरे बनने से रोकने की रणनीति बनानी चाहिए।

युवा अधिकारी डेटा को जोड़कर, उसका एनालिसिस करके और AI के जरिए अपराध करने के तरीकों की पहचान कर काम की खुफिया जानकारी तैयार करें। इससे भविष्य की चुनौतियों को रोका जा सकेगा।

नशामुक्त भारत के लिए 3 लेवल पॉलिसी- सभी राज्यों की पुलिस नशीले पदार्थों के खिलाफ नॉरकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 को जमीन पर लागू करें। इससे युवा पीढ़ी को बचाने में मदद मिलेगी।

तेलंगाना में बस और...

पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई।

हादसे की वजह तेज रफ्तार होने की आशंका जताई है। बस की टक्कर से पहले ट्रक के सड़क के डिवाइडर से टकराने की भी आशंका है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है। उन्हें बेहतर इलाज के लिए आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा के एक अस्पताल में भेजा गया है।

लोकसभा सचिवालय...

बनर्जी की याचिका में शामिल सांसदों के नाम हैं-

काकोली घोष दस्तीदार, सुदीप बंद्योपाध्याय, शताब्दी रॉय, प्रसून बनर्जी, रचना बनर्जी, जगदीश चंद्र बरमा बासुनिया, पार्थ भौमिक, अरूप चक्रवर्ती, अधिकारी दीपक देव, सयानी घोष, बापी हलदर, एमडी अबू ताहेर खान, कालीपद सारेन खेरवाल, असीत कुमार मल, जून मलियाह, मिताली बैग, खलीलुर रहमान, माला रॉय, शर्मिला सरकार और यूसुफ पठान।

बनर्जी ने इस मुद्दे पर 12 अगस्त को लोकसभा स्पीकर से मुलाकात भी की थी। इससे पहले उन्होंने 27 जुलाई को स्पीकर को लिखित याद दिलाई थी।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 28 सांसदों में से 20 बागी सांसदों का गुट त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (NCPI) में विलय हो चुका है।

बागी गुट की नेता काकोली घोष दस्तीदार ने 17 जून 2026 को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र सौंपने के बाद इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम PM मोदी के नेतृत्व में NDA के साथ काम करेंगे।

बागी सांसदों के समूह ने लोकसभा में अलग गुट के तौर पर मान्यता मांगी है। TMC का कहना है कि ये सांसद उसके चुनाव चिह्न पर चुने गए थे।

पार्टी के मुताबिक, किसी दूसरे राजनीतिक संगठन में शामिल होने का उनका फैसला दल-बदल कानून के प्रावधानों के तहत आता है।

स्पीकर और लोकसभा महासचिव को भी याचिका में प्रतिवादी बनाया गया था। हालांकि, तुषार मेहता की दलील के बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ औपचारिक नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया।

कर्नाटक में पूरा...

इसकी टाइमिंग 3 मिनट 10 सेकेंड बताई गई है। साथ ही राष्ट्रगीत के गायन/वादन के दौरान सम्मान, शिष्टाचार बनाए रखने, साथ ही इसे सुनने वालों को सावधान मुद्रा में खड़े होने का निर्देश है।

प्रेवेंशन ऑफ इंसल्ट टू नेशनल ऑनर (अमेंडमेंट) बिल जुलाई 2026 में लाया गया। राज्यसभा ने इसे 29 जुलाई और लोकसभा ने 30 जुलाई 2026 को पास किया। 11 अगस्त को कानून बना। इसका मकसद 'वंदे मातरम' को 1971 के कानून के तहत कानूनी सुरक्षा देना है। संशोधन में कहा गया है कि जो व्यक्ति जानबूझकर राष्ट्रीय गीत के गायन को रोकता है या उसके गायन में शामिल सभा में रुकावट डालता है, उसे 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

गृह मंत्रालय ने राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों को राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान से जुड़े आदेशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। आदेश में कहा गया कि दोनों के सही पाठ, उच्चारण और तय प्रोटोकॉल का पालन किया जाए। यदि राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान दोनों गाए या बजाए जाएं, तो पहले राष्ट्रगीत और उसके बाद राष्ट्रगान होगा। आदेश में इन निर्देशों के उल्लंघन के लिए कोई अलग सजा नहीं बताई गई है, बल्कि संबंधित संस्थानों और संगठनों को इन्हें सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं

बिहार में 21 मजदूरों...

वहीं, महोबा के जिला अस्पताल में पानी भर गया और इमरजेंसी वार्ड की छत से पानी टपकने लगा।

मध्य प्रदेश में पूर्वी हिस्से के बाद अब उत्तरी, पश्चिमी और मध्य हिस्सों में मानसून एक्टिव होगा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक भोपाल, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और चंबल संभाग के 21 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

यूपी में हरियाणवी...

वर्ष 2023 में शामली में उनके रोड शो की भी चर्चा हुई थी।

बताया जा रहा है कि अंकित जिला पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहे थे। उनकी हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। वे फेमस भले हरियाणवी गानों के लिए हुए, लेकिन उनका जन्म शामली में ही हुआ था।

अंकित बालियान का शामली में बंतीखेड़ा गांव है।

संजय बांगड़ की बेटी अनाया की क्रिकेट में वापसी

अनुमति

ऑस्ट्रेलिया ने खेलने की अनुमति दी, हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी से बदला था जेंडर

- अनाया बोलीं- एक समय लगा था क्रिकेट हमेशा के लिए खो दिया
- मुंबई अंडर-19 क्रिकेट खेल चुकी हैं

पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ ने बैंकॉक में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी के बाद यह पोस्ट शेयर की थी। अनाया इससे पहले आर्यन बांगड़ थे।

> डब्ल्यूबीबीएल जैसी एलीट प्रतियोगिताओं के लिए अनाया को सीए की मेडिकल पात्रता शर्तें पूरी करनी होंगी। सीए के पत्र के मुताबिक मार्च 2027 से उनकी एलीट क्रिकेट पात्रता इस बात पर निर्भर होगी कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर उनके ब्लड टेस्ट में सीरम टेस्टोस्टेरोन 10 एनएमओएल/एल से कम हो और वे पॉलिसी की बाकी शर्तों को भी पूरा करती रहें।

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बैटिंग कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ के क्रिकेट में वापसी का रास्ता खुल गया है। अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन के दौरान हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (HRT) और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई थी। अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (CA) ने उन्हें अपनी 'ट्रांसजेंडर एंड जेंडर डाइवर्स प्लेयर्स इन एलीट क्रिकेट पॉलिसी' के तहत ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट खेलने की अनुमति दी है। CA के फैसले के मुताबिक अनाया मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट खेल सकती हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तय शर्तें पूरी करनी होंगी। इस फैसले से उनके लिए विमेंस बिग बैश लीग (WBBL) में खेलने का रास्ता भी खुल सकता है। हालांकि, CA की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि उन्हें WBBL की किसी टीम में कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है।

अनाया ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के फैसले को अपने लिए बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि एक समय उन्हें सच में लगने लगा था कि वे शायद दोबारा क्रिकेट नहीं खेल पाएंगी।

उन्होंने कहा कि बचपन से क्रिकेट उनकी पहचान का अहम हिस्सा रहा है। ट्रांजिशन के बाद क्रिकेट से दूर होना उनके लिए सबसे मुश्किल अनुभवों में से एक था।

अनाया के मुताबिक, यह सिर्फ किसी महिला लीग में शामिल होने का मामला नहीं है, बल्कि उस खेल में वापस लौटने का मौका है, जिससे वे बचपन से प्यार करती हैं। अनाया इससे पहले मुंबई की एज-ग्रुप क्रिकेट में खेल चुकी हैं। उन्होंने मुंबई अंडर-19 स्तर पर क्रिकेट खेला था और उस दौर में सरफराज खान और उनके भाई मुशीर खान जैसे खिलाड़ियों के साथ भी खेल चुकी हैं।

हार्मोन थेरेपी और सर्जरी के बाद क्रिकेट में वापसी

अनाया ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया के दौरान हार्मोन थेरेपी कराई और मार्च 2026 में जेंडर-अफर्मिंग सर्जरी कराई। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट में वापसी के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से संपर्क किया। CA ने उनके मामले की समीक्षा के बाद उन्हें फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में खेलने की अनुमति दी है। प्रीमियर क्रिकेट को CA की नीति में कम्युनिटी क्रिकेट की श्रेणी में रखा गया है, इसलिए इसमें खेलने के लिए एलीट क्रिकेट वाली पात्रता शर्तें लागू नहीं होतीं।

आर्यन बांगर अपने पिता संजय बांगर के साथ (बाएं), बाद में वह अनाया बन गईं।

भारत में महिला क्रिकेट खेलने का रास्ता स्पष्ट नहीं

भारत में ट्रांसजेंडर महिलाओं के महिला क्रिकेट में खेलने को लेकर BCCI की स्पष्ट नीति सामने नहीं आई है। दूसरी ओर, ICC ने 2023 में पुरुष यौवन से गुजर चुके ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को एलीट महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में खेलने से रोकने की नीति अपनाई थी।

सूर्यवंशी-जायसवाल पर कार्रवाई करें : मांजरेकर

उन्हें छोड़ना यानी दूसरी बार बुरे बर्ताव के लिए तैयार करना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी के हालिया मैदान पर विवादों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने BCCI और ICC को टैग कर खिलाड़ियों के व्यवहार पर सवाल उठाए हैं।

मांजरेकर ने एक्स पर लिखा ,'प्रिय ICC और BCCI, पहले वैभव और अब जायसवाल. अगर आप उन्हें इस तरह के व्यवहार के लिए बार-बार छोड़ते रहेंगे, तो आप उन्हें दोबारा ऐसा बरताव दोहराने के लिए ही तैयार कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि ऐसा व्यवहार क्रिकेट और खिलाड़ियों के अपने भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है।

यशस्वी हाल ही में श्रीलंका के

खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में असिथा फर्नांडो से उलझ गए थे। आउट होने के बाद दोनों के बीच बहस हुई और एक समय यशस्वी का हेलमेट फर्नांडो के माथे से टकराया।

इस मामले में ICC ने दोनों खिलाड़ियों पर 25% मैच फीस का जुर्माना और एक-एक डिमेरिट अंक लगाया। यशस्वी ने बाद में अपने व्यवहार का बचाव करते हुए कहा था कि बिना यह जाने फैसला नहीं करना चाहिए कि फर्नांडो ने उनसे क्या कहा था।

वैभव सूर्यवंशी का भी हाल में श्रीलंका-A के खिलाफ मुकाबले के बाद विवाद हुआ था।

> वैभव सूर्यवंशी का अंडर-19 स्तर पर पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान भी विवाद हुआ था। आउट होने के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ी अली रजा के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हुई थी। इसके बाद वैभव ने जूते की ओर इशारा किया था, जिसे सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक इशारा बताया गया।

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त, दूसरा आज, कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली

कारुआना ने प्रज्ञानानंदा को ग्रैंड चेस टूर फाइनल में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। दूसरा मुकाबला आज होगा।

इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया।

वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का

पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

कीमर ने मुकाबले से पहले प्रज्ञानानंदा के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि नया मैच शुरू होने से उन्हें फिर से ध्यान लगाने में मदद मिली। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि लंबे टूर्नामेंट के कारण खिलाड़ियों पर थकान का असर पड़ रहा है।

कारुआना-प्रज्ञानानंदा और कीमर-सो के बीच दूसरा क्लासिकल गेम 26 अगस्त को भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे खेला जाएगा। बराबरी की स्थिति रहने पर बोनस टाई-ब्रेकर भी हो सकता है। गुरुवार को रैपिड और ब्लिट्ज मुकाबले खेले जाएंगे।

तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो के बीच पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा। दोनों ने जटिल स्थिति में शानदार खेल दिखाया और आखिर में रूक एंडगेम में बाजी बराबरी पर खत्म हुई।

28वीं चाल की गलती से हारे प्रज्ञानानंदा

कारुआना और प्रज्ञानानंदा के बीच मुकाबला काफी देर तक बराबरी का रहा। कारुआना के मुताबिक उन्हें भी स्थिति में कोई खास बढ़त नहीं दिख रही थी और 26वीं चाल में वे स्थिति को संभालने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन इसके तीन चाल बाद प्रज्ञानानंदा ने गलत खेल दिया। इस गलती से कारुआना को निर्णायक बढ़त मिल गई और उन्होंने गेम जीत लिया।

8 साल बाद क्लासिकल गेम जीते कारुआना

कारुआना ने कहा कि ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स में 2018 के बाद यह उनकी पहली क्लासिकल जीत है। 6 अंकों की बढ़त मिलने के बाद उन्होंने कहा कि अगले क्लासिकल गेम में काले मोहरों से खेलते हुए अगर वह मुकाबला संभाल लेते हैं तो उनकी स्थिति काफी मजबूत हो जाएगी।

मनोरंजन

बेटी ने कंधा दिया, पत्नी अरुणा ईरानी को गजेंद्र चौहान ने संभाला, विक्की-कटरीना समेत कई सेलेब्स पहुंचे

डायरेक्टर कुकू कोहली पंचतत्व में विलीन

नई दिल्ली, एजेंसी

फिल्ममेकर कुकू कोहली का आज अंतिम संस्कार ओशिवारा श्मशान घाट में हुआ। जिसमें कई सेलेब्स पहुंचे। इस दौरान गजेंद्र चौहान ने कुकू की पत्नी अरुणा ईरानी को संभाला। जो बहुत ज्यादा इमोशनल थीं।

अंतिम संस्कार में विक्की कौशल, कटरीना कैफ, रोहित शेट्टी, राजपाल यादव, जावेद अख्तर और शबाना आजमी भी पहुंचे।

1991 में कुकू कोहली ने फूल और कांटे से बतौर डायरेक्टर शुरुआत की। फिल्म हिट रही और अजय देवगन को बॉलीवुड में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कोहराम और सुहाग जैसी फिल्में बनाईं। सुहाग में अजय देवगन और अक्षय कुमार पहली बार साथ नजर आए थे। 1995 में उनकी फिल्म हकीकत रिलीज हुई। इसमें अजय देवगन और तब्बू थे। फिल्म को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में सात कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला। कुकू को बेस्ट डायरेक्टर के लिए भी नॉमिनेशन मिला। इसके बाद उन्होंने जुल्मी, अनाड़ी नंबर 1 और ये दिल आशिकाना जैसी फिल्में बनाईं। उनकी आखिरी फिल्म वो तेरा नाम था 2004 में रिलीज हुई थी।

कुकू कोहली का मंगलवार को 77 साल की उम्र में निधन हुआ था। उन्होंने मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में आखिरी सांस ली। उन्हें हार्ट अटैक आया था।

कुकू कोहली और अरुणा ईरानी ने गुपचुप शादी की थी

कुकू कोहली की दो शादियां हुई थीं। कुकू कोहली की पहली पत्नी का नाम रीता कोहली था। रीता कोहली और कुकू कोहली की दो बेटियां पूजा और करिश्मा थीं। वहीं, कुकू कोहली की दूसरी शादी एक्ट्रेस अरुणा ईरानी से हुई। दोनों की पहली मुलाकात फिल्म कोहराम के सेट पर हुई थी। शुरुआत में दोनों के बीच बिल्कुल नहीं बनती थी। हालांकि, काम के दौरान कुकू कोहली अरुणा का काफी ख्याल रखते थे। धीरे-धीरे उनकी दोस्ती बढ़ी और यही दोस्ती प्यार में बदल गई।

अरुणा ने बताया था कि वह कुकू की पहली पत्नी और उनके परिवार की परेशानियां नहीं बढ़ाना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने अपने रिश्ते को निजी रखा। शादी के बाद अरुणा और कुकू ने बच्चे नहीं करने का फैसला लिया। अरुणा ने कहा था कि उस समय उनकी उम्र और कुकू के पहले से बच्चों को देखते हुए उन्होंने यह फैसला लिया।

राज कपूर के साथ काम करके करियर शुरू किया

कुकू कोहली ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत राज कपूर की फिल्म बॉबी में असिस्टेंट के तौर पर काम करके की थी। उन्होंने कई साल उनके साथ रहकर फिल्म बनाने की बारीकियां सीखीं। बाद में वह फिल्म बेताब में सेकेंड यूनिट डायरेक्टर रहे। सनी देओल और अमृता सिंह स्टारर यह फिल्म हिट थी। इसके बाद उन्होंने अर्जुन में भी काम किया।

स्पॉयलर बताकर मजा किरकिरा

टॉक्सिक के सीन्स रिकॉर्ड करने वालों के लिए यश का खास मैसेज

नई दिल्ली। 'टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन अप्स' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म की रिलीज के बीच रॉकिंग स्टार यश (Yash) ने एक पोस्ट के जरिए फिल्म के स्पॉयलर को रिवील न करने की गुजारिश की है।

यश की मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म टॉक्सिक (Toxic Film) दो बार टलने के बाद आखिरकार 26 अगस्त को सिनेमाघरों में आ गई है। टीजर-ट्रेलर का बज देखते हुए फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। अब यश ने एक पोस्ट के जरिए फैंस से रिक्वेस्ट की है कि वे दर्शकों की उत्सुकता को खत्म न करें।

यश का कहना है कि टॉक्सिक के सीन्स या फिर स्पॉयलर को रिकॉर्ड करके दर्शक इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट न करें। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस से रिक्वेस्ट करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने लिखा, ₹टॉक्सिक हमारे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि यह उस दुनिया में बरसों से लगाए गए हमारे दिल और जज्बाज का नतीजा है जिसे हमने एक-एक फ्रेम, एक-एक सीन और एक-एक फैसले के साथ बनाया है।

'गदर मचा दिया'

रवि किशन के साथ अनुपम खेर बोमन ईरानी ने किया वायरल डांस

नई दिल्ली। बोमन ईरानी और अनुपम खेर इन दिनों वायरल डांस का हिस्सा बनने का मौका नहीं गंवा रहे हैं। GenZ प्रोटेस्ट के दौरान वायरल हुए एक रील्स पर डांस करने के बाद अब अनुपम और बोमन, रवि किशन के ट्रेंड में शामिल हो गए हैं।

रवि किशन (Ravi Kishan) कुछ समय से मीम किंक बन गए हैं। स्टेटमेंट से लेकर डांस तक... रवि किशन के क्लिप्स इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं और लोग उन पर रील्स बना रहे हैं। अब इस ट्रेंड को 'खोसला का घोसला 2' (Khosla Ka Ghosla 2) की स्टार कास्ट ने भी फॉलो किया है।

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह, बोमन ईरानी और प्रवीन डबास, रवि किशन के साथ उनका

वायरल डांस स्टेप करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में 'चक दे फट्टे' पर चारों का डांस छा गया है और अब इंटरनेट पर ये क्लिप वायरल हो रहा है। वीडियो शेयर करते हुए अनुपम खेर ने रिवील किया है कि उनकी आगामी फिल्म खोसला का घोसला 2 में रवि किशन भी अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ₹एक बायां पैर है, एक दायां पैर है। ये है चल फुट। कोऑर्डिनेशन के किंग्स वापस आ गए हैं। हम खोसला का घोसला 2 की कास्ट में अपने भाई रवि किशन का स्वागत करते हैं।

कपड़ों को लेकर ट्रोल हुई थीं, राहुल गांधी ने एक्ट्रेस का समर्थन किया था

कृति सेनन का राखी वाला विज्ञापन विवाद के बाद हटा

> कंगना रनोत ने इस विज्ञापन पर एक दिन पहले कहा था- अपने भाई को बिकिनी या अंडरगारमेंट्स में राखी क्यों बांधेंगी? आपके पास स्टाइलिंग के इतने विकल्प कहां गए? यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।

मुंबई। ज्वेलरी ब्रांड GIVA ने बुधवार को एक्ट्रेस कृति सेनन के विवादास्पद रक्षाबंधन विज्ञापन को हटा दिया है। विज्ञापन में कृति ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट पहने थीं। वे कुत्ते को भी राखी बांधती नजर आ रही थीं।

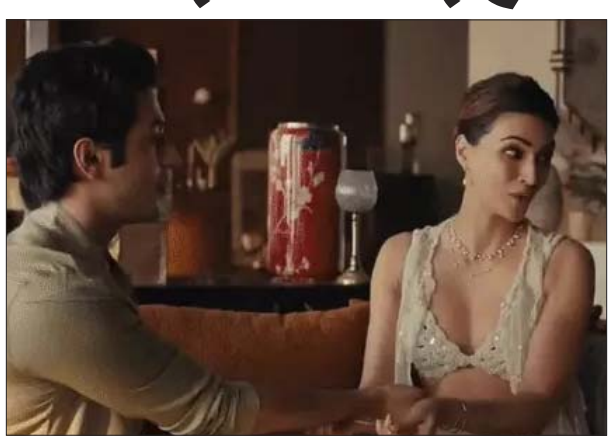

इस पहनावे को लेकर कई लोगों ने आपत्ति जताई थी। एक्ट्रेस से सांसद बनीं कंगना रनोत ने भी कृति के पहनावे पर सवाल उठाए थे। जबकि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्ट्रेस कृति का समर्थन किया था।

GIVA ने विवाद बढ़ता देख आज कहा कि विज्ञापन हटा लिया गया है। यह फैसला भारतीय संस्कृति और परंपराओं के सम्मान में लिया गया है। ट्रोल होने के बाद कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर सफाई दी। राहुल गांधी ने कृति का पोस्ट अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करके लिखा- महिलाओं के कपड़ों और जीवनशैली की ऑनलाइन पुलिसिंग यानी पहरेदारी नहीं करनी चाहिए।

इससे पहले कृति ने इंस्टा पर लिखा था कि यह त्योहार सुरक्षा और प्यार के रिश्ते का प्रतीक है। वे और उनकी बहन नूपुर सेनन एक-दूसरे को राखी बांधती हैं, क्योंकि दोनों एक-दूसरे की सुरक्षा भाई से कम नहीं करती हैं। यही प्यार पेट डॉग्स के लिए भी है, क्योंकि वे भी उनके परिवार का ही हिस्सा हैं।

जीवा ने कहा- हमारा इरादा भावनाएं आहत करना नहीं

GIVA ने कहा, 'एक ब्रांड के तौर पर हमारा हमेशा से मानना रहा है कि इन खुशी के पलों को पूरे परिवार के साथ मनाया जाए। इस बार उसका उद्देश्य पालतू जानवरों के साथ प्यार और जश्न को आगे बढ़ाना था। भावनाएं आहत करना हमारा इरादा नहीं था।' 'अगर हमारे हालिया विज्ञापन से समाज के कुछ हिस्सों की भावनाओं को अनजाने में ठेस पहुंची है, तो हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं था। हमने उस विज्ञापन सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से हटा लिया है।' ब्रांड ने त्योहार के मौके पर लोगों को प्यार और सकारात्मकता की शुभकामनाएं भी दीं।

वेस्ट एशिया संकट के बीच बिना चीफ ऑफ स्टाफ के लड़ रही सेना, हेगसेथ ने कई वरिष्ठ अधिकारियों को पद से हटाया

हेगसेथ के एक्शन से यूएस आर्मी में पैदा हुआ नेतृत्व संकट

सामना

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सेना के हाई लेवल पर लीडरशिप की कमी हो गई है। यह ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी सेना वेस्ट एशिया में सक्रिय रूप से शामिल है और अपने पैट्रियट और THAAD एयर डिफेंस सिस्टम से ईरानी मिसाइलों और ड्रोन्स का मुकाबला कर रही है।

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह गंभीर कमी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ द्वारा की गई कई बर्खास्तगी और अंदरूनी कलह के कारण हुई है, जिससे दुनिया की

US आर्मी में पैदा हुआ नेतृत्व संकट। (रॉयटर्स)

सबसे ताकतवर जमीनी सेना महीनों से बिना स्थायी चीफ ऑफ स्टाफ के चल रही है। यह तब हो रहा है जब सेना को मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर जबरदस्त ड्रोन और मिसाइल हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

अखबार द्वारा बताए गए अधिकारियों के अनुसार, हेगसेथ ने तब से कम से कम तीन ऐसे सीनियर अधिकारियों को बाहर कर दिया है जिन्हें जनरल जॉर्ज की जगह लेने के लिए मजबूत दावेदार माना जा रहा था। इससे सेना की लीडरशिप पाइपलाइन सीमित हो गई है, जबकि ऐसे समय में हाई लेवल पर निरंतरता सबसे ज्यादा जरूरी है जब सेना ज्यादा ऑटोनॉमस सिस्टम की ओर बढ़ रही है, जिसके लिए संस्थागत, सैद्धांतिक और संरचनात्मक बदलावों की

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सेना के सबसे वरिष्ठ सिविलियन अधिकारी, आर्मी सेक्रेटरी डैनियल ड्रिस्कॉल के भी आने वाले महीनों में प्रशासन छोड़ने की उम्मीद है और खबर है कि उन्होंने अपना ऑफिस खाली करना शुरू भी कर दिया है, जिससे संस्थागत अनिश्चितता का माहौल और बढ़ गया है।

कुल मिलाकर, मौजूदा और पूर्व अधिकारियों का कहना है कि हेगसेथ ने पद संभालने के बाद से लगभग आधा दर्जन सीनियर अधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि इस उथल-पुथल से सेना के शीर्ष स्तरों पर विशेषज्ञता कमजोर हुई है।

जरूरत है। ये बदलाव यूक्रेन और वेस्ट एशिया दोनों जगहों पर लड़ाई के बदलते स्वरूप को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं।

इस घटना का समय बहुत अहम है। फरवरी के आखिर से ही पश्चिमी एशिया में अमेरिकी ठिकानों पर सस्ते और आसानी से नष्ट होने वाले ईरानी ड्रोन्स से लगातार हमले हो रहे हैं। इन हमलों में अब तक कम से कम अठारह अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है और कई अन्य घायल हुए हैं।

बिना चीफ ऑफ स्टाफ के लड़ रही अमेरिकी सेना

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट है कि अप्रैल में हेगसेथ द्वारा बिना किसी कारण के जनरल रैंडी जॉर्ज को अचानक हटाए जाने के बाद से सेना में कोई चीफ ऑफ स्टाफ नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बात के बहुत कम संकेत हैं कि अमेरिकी सेना के शीर्ष पद के लिए जल्द ही कोई नया व्यक्ति नियुक्त किया जाएगा।

हेगसेथ के पद संभालने के बाद 5 फोर-स्टार जनरल ने पद छोड़ा

इस बड़े बदलाव का पैमाना तब और साफ हो जाता है जब इसकी तुलना ऐतिहासिक आंकड़ों से की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार, जब हेगसेथ ने पिछले साल जनवरी में पद संभाला था, तब अमेरिकी सेना में दस फोर-स्टार जनरल थे; अब यह संख्या घटकर सिर्फ पांच रह गई है, जो दशकों में सेना में सबसे कम संख्या है।

सरकार ने चीनी आयात की समयसीमा बदली

अब एंट्री के दो महीने में रिफाइंड चीनी बेचनी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में चीनी की कीमतों को काबू करने के लिए केंद्र सरकार ने इंपोर्ट के नियमों में ढील दी है। सरकार ने विदेशों से मंगाई जाने वाली कच्ची चीनी को प्रोसेस करने और उसे घरेलू बाजार में बेचने की समय-सीमा बढ़ा दी है। अब इंपोर्टर्स को शिपमेंट भारत पहुंचने की तारीख से दो महीने का समय मिलेगा। इससे पहले सरकार ने इसके लिए 31 अक्टूबर की एक फिक्स डेडलाइन तय की थी।

शिपिंग और ट्रांसपोर्टेशन में हो रही देरी को लेकर शुगर इंडस्ट्री ने चिंता जताई थी, जिसके बाद डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (DGFT) ने नियमों में बदलाव का यह फैसला लिया है। सरकार ने घरेलू बाजार में चीनी की सप्लाई बढ़ाने के लिए 10 लाख टन रॉ शुगर के ड्यूटी-फ्री या कम ड्यूटी वाले इंपोर्ट को मंजूरी दी थी। पहले के नियम के मुताबिक, मिलों को इस चीनी को रिफाइन करके 31 अक्टूबर तक बाजार में बेचना जरूरी था। हाल ही में हुई बैठक में इंडस्ट्री ने मंत्रालयों को बताया कि ब्राजील के बंदरगाहों पर जाम है। इसके अलावा, भारत सरकार से क्वांटिटी अप्रूवल मिलने के बाद भी कार्गो को भारत पहुंचने में 40 दिन लग रहे हैं। ऐसे में 31 अक्टूबर तक प्रोसेसिंग और बिक्री का काम पूरा करना मुमकिन नहीं था। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (NFCSF) के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश नाइकनवारे ने कहा कि इस राहत के बाद अब देश की ज्यादा से ज्यादा चीनी मिलें इंपोर्ट के लिए आवेदन करने के लिए आगे आएंगी।

फास्ट न्यूज

न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर पर सभा को संबोधित करेंगे भागवत

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में अमेरिका के प्रमुख शहरों में से एक न्यूयॉर्क पहुंचे। उनकी यह यात्रा संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है। न्यूयॉर्क पहुंचने पर भागवत का तिलक लगाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मोहन भागवत के कार्यक्रम के विरोध पर भड़की अमेरिकी सिंगर

वाशिंगटन। अमेरिका के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सियासी और सामाजिक बहस छिड़ गई है।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी द्वारा इस आयोजन पर आपत्ति जताए जाने के बाद प्रसिद्ध अफ्रीकी-अमेरिकी गायिका और अभिनेत्री मैरी मिलबेन ने उन पर तीखा हमला बोला है। मिलबेन का आरोप है कि इस कार्यक्रम का विरोध करने वाले लोग भारतीय राजनीति से प्रेरित हैं ।

अमेरिका ने दुनियाभर में वीजा अपॉइंटमेंट पर लगाई रोक

वॉशिंगटन। अमेरिका में ट्रंप प्रशासन इमिग्रेशन पर अपनी सख्त कार्रवाई के तहत कॉन्सुलर अधिकारियों के लिए एक ग्लोबल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रहा है। इस बीच यूएस में दुनिया भर में वीजा अपॉइंटमेंट रोक दिए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि विभाग ने दुनिया भर में सभी अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में एक ट्रेनिंग पहल शुरू की है।

अमेरिका के मोंटाना में परिवार के 8 लोगों की हत्या

मृतकों में 4 बच्चे, आरोपी ने सबको गोली मारी

बिलिंग्स, एजेंसी

अमेरिका के मोंटाना के बिलिंग्स शहर में रविवार शाम एक परिवार के 8 लोगों की हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब परिवार के लोग एक साथ डिनर कर रहे थे। आरोपी ने सबको गोली मारने के बाद घर में आग लगा दी। फिर खुद को भी शूट कर लिया।

आरोपी के अलावा मरने वाले लोग एक ही परिवार की चार पीढ़ियों से थे। इनमें 4 बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, उन्हें रविवार शाम करीब 6 बजे घर से गोली चलने की सूचना मिली थी।

पुलिस मौके पर पहुंची तो घर के पीछे से गोलियों की आवाज आ रही थी। घर के बाहर एक व्यक्ति घायल मिला। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वही इस घटना का संदिग्ध माना जा रहा है।

घटना के दौरान 911 पर पुलिस को घर में गोली चलने और एक बच्चे के बेहोश होने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। कुछ देर बाद एक और फायर इंजन भेजने को कहा गया। डिस्पैचर ने पूछा कि क्या बच्चे को गोली लगी है। पुलिस ने बताया कि इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। सिर्फ इतना पता था कि बच्चा बेहोश है और यह भी साफ नहीं था कि वह सांस ले रहा है या नहीं।

इमरजेंसी टीमें रविवार शाम करीब 6:10 बजे मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घर के बाहर एक व्यक्ति को देखा।

कहा- 'लेक ओंटारियो' का नाम 'लेक अमेरिका' करने की सोच रहा

ट्रम्प कनाडा से जुड़ी झील का नाम बदल सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा से जुड़े लेक ओंटारियो का नाम बदलने की बात कही है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि वे इसका नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' रखने पर विचार कर रहे हैं। लेक ओंटारियो अमेरिका और कनाडा की सीमा पर स्थित है। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब दोनों पड़ोसी देशों के बीच टैरिफ को लेकर तनाव बढ़ा हुआ है। दोनों ने एक-दूसरे पर 50% टैरिफ लगा दिया है। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, लेक ओंटारियो का नाम बदलने को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ है और न ही औपचारिक प्रक्रिया शुरू की गई है। लेक ओंटारियो उत्तरी अमेरिका की पांच बड़ी झीलों यानी ग्रेट लेक्स में से एक है। यह अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के ओंटारियो प्रांत के बीच स्थित है। झील के एक तरफ अमेरिकी क्षेत्र है, जबकि दूसरी तरफ कनाडा का ओंटारियो प्रांत है। कनाडा का बड़ा शहर टोरंटो भी इसी झील के किनारे बसा है।

अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसी के चीफ की रूस में सीक्रेट लैंडिंग

ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट से अचानक पहुंचे

मॉस्को, एजेंसी

अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ मॉस्को पहुंचे हैं। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक, वह अमेरिकी वायुसेना के C-17 ग्लोबमास्टर से मॉस्को गए और वहां अधिकारियों के साथ बैठकें कर रहे हैं। यह CIA चीफ बनने के बाद रैटक्लिफ की रूस की पहली यात्रा है।

रैटक्लिफ के रूस दौरे की पहले कोई घोषणा नहीं की गई थी। अमेरिकी सैन्य विमान के मॉस्को पहुंचने के बाद उनकी यात्रा की खबर सामने आई। इससे पहले रूसी अधिकारियों ने कहा था कि उन्हें C-17 ग्लोबमास्टर की मॉस्को यात्रा की जानकारी नहीं है। अमेरिकी सरकार ने भी अभी इस दौरे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

फ्लाइट-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना का C-17 पहले अमेरिका से लातविया की राजधानी रीगा पहुंचा। इसके बाद विमान मंगलवार सुबह करीब 9 बजे मॉस्को के लिए रवाना हुआ और व्नुकोवो एयरपोर्ट पर उतरा।

यह विमान RCH4555 कॉल साइन से उड़ रहा था। इसकी उड़ान की एक खास बात यह थी कि विमान रूस के हवाई क्षेत्र से होकर मॉस्को पहुंचा।

अमेरिकी सैन्य विमान के इस रास्ते से उड़ान भरने के लिए रूसी अधिकारियों की मंजूरी जरूरी होती है। हालांकि, रूसी अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें इस विमान की मॉस्को यात्रा की जानकारी नहीं थी।

दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लॉन्च कॉम्प्लेक्स बनाएंगे मस्क

ये मैनहट्टन से 8 गुना बड़ी जमीन पर बनेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

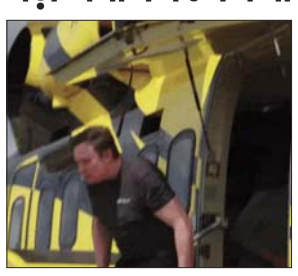

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स अमेरिका के दक्षिणी लुइसियाना में दुनिया का सबसे बड़ा रॉकेट लॉन्च कॉम्प्लेक्स बना रही है। इस प्रोजेक्ट पर कंपनी 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 9.50 लाख करोड़ का निवेश करेगी। 'स्टारबेस, लुइसियाना' स्पेसएक्स का दूसरा 'स्टारबेस' कैंपस होगा।

यह नया स्पेसपोर्ट लुइसियाना के पिकान आइलैंड पर 1.25 लाख एकड़ में फैला होगा, जो कि न्यूयॉर्क के मैनहट्टन शहर से भी आठ गुना बड़ा है। यहां से स्पेसएक्स के नेक्स्ट-जनरेशन रॉकेट 'स्टारशिप' और AI बेस्ड सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। कंस्ट्रक्शन साल 2029 से शुरू होने की उम्मीद है। लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने इसे राज्य की इकोनॉमी के लिए बड़ा कदम बताया है। लैंड्री के मुताबिक, इस स्पेसपोर्ट से क्षेत्र में कम से कम 3 हजार से ज्यादा डायरेक्ट नौकरियां पैदा होंगी।

यहां काम करने वाले कर्मचारियों की औसत सालाना सैलरी 92,600 डॉलर यानी करीब 88 लाख रुपए होगी, जो वर्मिलियन पैरिश की मौजूदा औसत इनकम से लगभग दोगुनी है। गवर्नर ने कहा, ₹यह प्रोजेक्ट रोजगार, समुदायों के लिए प्रगति और हमारे तटीय इलाकों के लिए सुरक्षा लेकर आएगा।

शिपिंग और ट्रांसपोर्टः स्टारशिप रॉकेट्स को लाने-ले जाने के लिए डीप-वॉटर शिपिंग पोर्ट और व्हीकल प्रोसेसिंग यूनिट्स बनाई जाएंगी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96